RAJHIN/2016/70516

सच्चाई से रुबरु

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 46 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,शुक्रवार, 14 अगस्त 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे

नई दिल्ली | एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। नागरिक राष्ट्र के लिए सदैव जागरूक रहें। उन्होंने आगे कहा कि आज का दिन हम विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में मनाते हैं। सांप्रदायिक हिंसा की वजह से लाखों को शरणार्थी बनना पड़ा।

राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं- हमारा संविधान जनभागीदारी पर आधारित है

राष्ट्रपति ने कहा कि आज का दिन हम विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में मनाते हैं। सांप्रदायिक हिंसा की वजह से लाखों को शरणार्थी बनना पड़ा। फिर भी उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी। हमारा संविधान जनभागीदारी पर आधारित है। उस भावना को हमारे देशवासी आगे बढ़ा रहे हैं ये हमारी लोकतंत्र की उपलब्धि है। अब से कुछ ही घंटों बाद, हमारे देश की स्वाधीनता के 80वें वर्ष का शुभारंभ होगा। देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतीय ये पर्व उल्लास के साथ मनाते हैं। हमारा तिरंगा हमारी स्वाधीनता का प्रतीक है।

देशवासी स्वतंत्र भारत की नियति के निर्माता बने

द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि 15 अगस्त 1947 के दिन भारतमाता पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त हुईं। सभी देशवासी, स्वतंत्र भारत की नियति के निमार्ता बने। निष्ठावान विद्यार्थी और शिक्षक, विकास के लिए तत्पर वैज्ञानिक और इंजीनियर, स्वास्थ्य सेवा में कार्यरत डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी, मेहनती श्रमिक और अन्नदाता किसान, अपने प्रयासों से राष्ट्र-निर्माण कर रहे हैं। अन्य क्षेत्रों में सक्रिय, असंख्य देशवासी, तथा संविधान में निहित, मूल कर्तव्यों का पालन करने वाले सभी नागरिक, राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। मैं उन सभी की हृदय से सराहना करती हूं।

एनसीबी ने भगोड़े ड्रग किंगपिन वीरेंद्र बसोया की वापसी सुनिश्चित की: अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ केंद्र सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को बड़ी सफलता मिली है। एनसीबी ने विदेश में छिपे अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर वीरेंद्र सिंह बसोया उर्फ वीरू को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत वापस लाने में सफलता हासिल की है। बसोया को शुक्रवार तड़के नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचने पर हिरासत में ले लिया गया। गृह मंत्रालय ने बताया कि एनसीबी के अनुरोध पर इंटरपोल ने बसोया के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया था, जिसके आधार पर उसे इस साल जून में यूएई में गिरफ्तार किया गया था। भारतीय एजेंसियों के लगातार समन्वय और यूएई अधिकारियों के सहयोग से उसे भारत वापस लाया गया। बसोया दिल्ली के सरोजिनी नगर इलाके के पिलंजी का रहने वाला है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि मोदी सरकार विदेश में छिपे ड्रग तस्करों का लगातार पीछा कर रही है और उनके पूरे तंत्र को नष्ट कर रही है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति में एनसीबी ने यूएई से भगोड़े ड्रग किंगपिन वीरेंद्र सिंह बसोया को वापस लाकर एक नया मुकाम हासिल किया है। ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक अपराधी का पता लगाने की रणनीति के जरिए एजेंसियों ने फिर साबित किया है कि ड्रग तस्कर दुनिया में कहीं भी छिप जाएं, भारतीय कानून की पहुंच से बच नहीं सकते।

'एनसीबी के अनुरोध पर इंटरपोल ने बसोया के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया था'

हैदराबाद यूनिवर्सिटी में विरोध करने वाले छात्रों का पंजीयन रोकने पर बार काउंसिल को फटकार

छात्र गलत हों, तब भी उन्हें विरोध करने का पूरा अधिकार : सीजेआई

नई दिल्ली | एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हैदराबाद की लॉ यूनिवर्सिटी, नालसार से जुड़े विवाद पर काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को फटकार लगाई। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि भले ही छात्रों का फैसला गलत हो या उन्हें किसी ने गलत सलाह दी हो, फिर भी उन्हें अपनी बात रखने और विरोध करने का अधिकार है। जस्टिस सूर्यकांत ने बीसीआई के उस सर्कुलर पर भी नाराजगी जताई, जिसमें एनएएलएसएआर के 2026 बैच के लॉ ग्रेजुएट्स का वकील के तौर पर एनरोलमेंट रोकने को कहा गया था। सीजेआई ने कहा कि यह मेरे और छात्रों के बीच का मामला है। इसे मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं थी। बार काउंसिल इसमें दखल देने वाला कौन होता है?

सीजेआई की टिप्पणी से नाराज हैं छात्र

नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च, हैदराबाद की लॉ यूनिवर्सिटी है। यहां करीब 1,400 छात्र पढ़ते हैं। इनमें से 450 छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को पत्र लिखकर सीजेआई को चीफ गेस्ट बनाने का न्योता वापस लेने की मांग की थी। समारोह की तारीख अभी तय नहीं है। छात्रों की नाराजगी सीजेआई की पिछले महीने की एक टिप्पणी को लेकर थी। यह टिप्पणी दिल्ली में नीट प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई से जुड़ी याचिका की सुनवाई के दौरान की गई थी। बार काउंसिल ने सभी 2026 ग्रेजुएट्स का एनरोलमेंट रोक दिया था। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने 13 अगस्त को सभी स्टेट बार काउंसिलों को निर्देश दिया कि नालसार के 2026 बैच के किसी भी ग्रेजुएट को अगले आदेश तक वकील के तौर पर एनरोल न किया जाए। साथ ही यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर से तीन दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी गई थी। यूनिवर्सिटी से उन लोगों की पहचान करने को कहा गया, जो कैंपेन शुरू करने, उसका ड्राफ्ट तैयार करने, उसे फैलाने, छात्रों को जुटाने या बहिष्कार की अपील करने में मुख्य भूमिका में थे।

कॉकरोच विवाद, सीजेआई बोले- मेरी टिप्पणी का गलत इस्तेमाल

नई दिल्ली। कॉकरोच विवाद पर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कहा कि मेरी टिप्पणी को गलत तरीके से पेश किया गया। देश के युवाओं को भटकाने के लिए इसका इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि अदालती कार्यवाही का क्लिप वायरल किया गया। जो बात कही ही नहीं गई, उसे गलत तरीके से पेश किया जाता है। सीजेआई का बयान ऐसे समय आया जब कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन खत्म हो गया है और वह जंतर-मंतर 2.0 शुरू करने की योजना बना रही है। दरअसल जस्टिस सूर्यकांत के 15 मई के सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान, फर्जी डिग्री वाले कुछ व्यक्तियों की तुलना "कॉकरोच" से की थी।

सीएम का एक्शन : डिप्टी कलेक्टर, 2 सीएमओ समेत 7 अफसर-कर्मचारी सस्पेंड

बड़वानी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को बड़वानी में जन विश्वास अभियान के दौरान सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों और लंबित मामलों की समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने बड़ा प्रशासनिक एक्शन लिया। शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर उन्होंने एक डिप्टी कलेक्टर (तत्कालीन तहसीलदार), दो पटवारी, दो मुख्य नगरपालिका अधिकारी, एक सहायक यंत्री और एक तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी समेत 7 अफसर-कर्मचारियों को निलंबित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मंच से कहा कि जनता के काम में देरी और लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं नगरीय प्रशासन के संयुक्त संचालक एसके सिन्हा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जनसमस्याओं का निराकरण तय समय सीमा में किया जाए।

राहुल गांधी के बयान पर अनुराग ठाकुर का पलटवार

भाषा और राजनीतिक शैली पर साधा निशाना

'अशोभनीय टिप्पणियों और संवैधानिक पदों के अपमान को स्वीकार नहीं किया जा सकता'

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी की राजनीतिक भाषा और उनके रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि राजनीति में मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन अशोभनीय टिप्पणियों और संवैधानिक पदों के अपमान को स्वीकार नहीं किया जा सकता। अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता ने कांग्रेस और राहुल गांधी को लगातार तीन बार नकारा है और अब वे गाली-गलौज की राजनीति पर उतर आए हैं। उन्होंने राहुल गांधी की भाषा को अमर्यादा और अहंकार से भरी बताते हुए कहा कि उनके बयानों से कांग्रेस की मानसिकता उजागर होती है। भाजपा सांसद ने राहुल गांधी को महिला विरोधी भी बताया। उन्होंने कहा कि वे महिला आरक्षण का विरोध करते हैं। उन्होंने विदेशी महिला पर अमर्यादित टिप्पणी का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस तरह की टिप्पणी राहुल गांधी और कांग्रेस की सोच को दर्शाती है। ठाकुर ने राहुल गांधी के संस्कार और राजनीतिक आचरण पर भी सवाल खड़े किए। अनुराग ठाकुर ने नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी की भूमिका पर भी हमला बोला।

उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी सदन और सड़क, दोनों जगह असफल रहे हैं। ठाकुर के मुताबिक, संसद में उन्होंने चर्चा नहीं होने दी और जब चर्चा का अवसर आया तो पेपर लीक के मुद्दे पर ठोस सुझाव देने में भी असफल रहे। उन्होंने कांग्रेस पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी दूसरों को अलग तरह का भाषण देती है, जबकि खुद उसका आचरण अलग होता है।

vedanta
transforming for good

HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

देश की ज़मीन से, उम्मीदों के भविष्य तक

INDIA

विकसित भारत की ताकत

हिन्दुस्तान ज़िंक की ओर से

80 वें

स्वतंत्रता दिवस

की शुभकामनाएं

विश्व का सबसे बड़ा जिंक उत्पादक

टॉप 10 चांदी उत्पादकों में शामिल

Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, INDIA. www.hzlindia.com

https://www.linkedin.com/company/hindustanzinc/
https://www.facebook.com/HindustanZinc/
https://x.com/Hindustan_Zinc_
https://www.instagram.com/hindustan_zinc/

WONDER CEMENT
FARQ NAZAR AAYEGA
RK GROUP

HAPPY
INDEPENDENCE DAY
2026

जिस देश में
सोचने की, कहने की,
सही करने की आज़ादी हो

फर्क तो नज़र आएगा

Toll-free No: 1800 31 31 31 | wondercement.com

सेल्फी लेते देवगढ़ किले से गिरा युवक

40 फीट गहरी खाई में मिला; दोस्तों के साथ घूमने गया था, सिर में आई चोट

सीकर सीकर स्थित देवगढ़ किले की दीवार से एक युवक सेल्फी लेते समय पैर फिसलने से नीचे गिर गया। युवक गंभीर घायल अवस्था में 40 फीट गहरी खाई में मिला। युवक को गंभीर घायल अवस्था में सीकर के एसके अस्पताल में एडमिट करवाया गया है। गोकुलपुरा पुलिस थाने के एसआई रामकुमार ने बताया- यह घटना देवगढ़ किले की है। गोकुलपुरा का ही रहने वाला युवक भूमिक जांगिड़ (20) पुत्र सुभाष जांगिड़ शुक्रवार शाम को दो दोस्तों के साथ बाइक लेकर देवगढ़ गया था। जिन्होंने बाइक को नीचे खड़ा कर दिया था और फिर तीनों ऊपर चले गए। भूमिक किले की दीवार पर चढ़कर सेल्फी ले रहा था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे 40 फीट गहरी खाई में जा गिरा। मौके पर मौजूद उसके दो दोस्तों ने इसकी सूचना वहां घूमने के लिए आए लोगों को दी। इन्होंने इस बारे में 112 नंबर पर सूचना दी।

हाथों में तिरंगा, जुबां पर वंदे मातरम भीलवाड़ा में भाजपा की भव्य तिरंगा यात्रा, उमड़ा राष्ट्रभक्ति का सैलाब '

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत भीलवाड़ा। भाजपा के आह्वान पर शुक्रवार को शहर में अलग-अलग मंडलों की ओर से तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। हाथों में तिरंगे और वाहनों पर सवार हजारों कार्यकर्ताओं ने शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए देशभक्ति का संदेश दिया। इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा। शास्त्री मंडल अध्यक्ष रमेश खोईवाल के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने दूधाधारी मंदिर, सांगानेरी गेट से वाहन रैली शुरू की। वहीं प्रताप मंडल अध्यक्ष नागेंद्र सिंह राव के नेतृत्व में हनुमान मंदिर, कुंभा सर्किल से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। इसी प्रकार गणेश मंडल अध्यक्ष मुकेश सोनी के नेतृत्व में पुलिस लाइन के पास अजमेर पुलिया से तथा सुभाष मंडल अध्यक्ष ऋतुशेखर शर्मा के नेतृत्व में मोदी ग्राउंड से सैकड़ों कार्यकर्ता वाहनों पर सवार होकर तिरंगा यात्रा में रवाना हुए। अलग-अलग स्थानों से निकली सभी यात्राएं शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई भाजपा कार्यालय पहुंचीं, जहां उनका समापन हुआ। यात्रा के दौरान वाहनों पर तिरंगे लहराते कार्यकर्ताओं का काफिला लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। सड़कें राष्ट्रध्वज के रंग में रंगी नजर आईं और वातावरण देशभक्ति के नारों से सराबोर रहा। तिरंगा यात्राओं ने शहर में राष्ट्रप्रेम, एकता और देशभक्ति का संदेश दिया। कार्यकर्ताओं के उत्साह और तिरंगों से सजे वाहनों के कारण पूरे शहर में देशभक्ति का माहौल नजर आया।

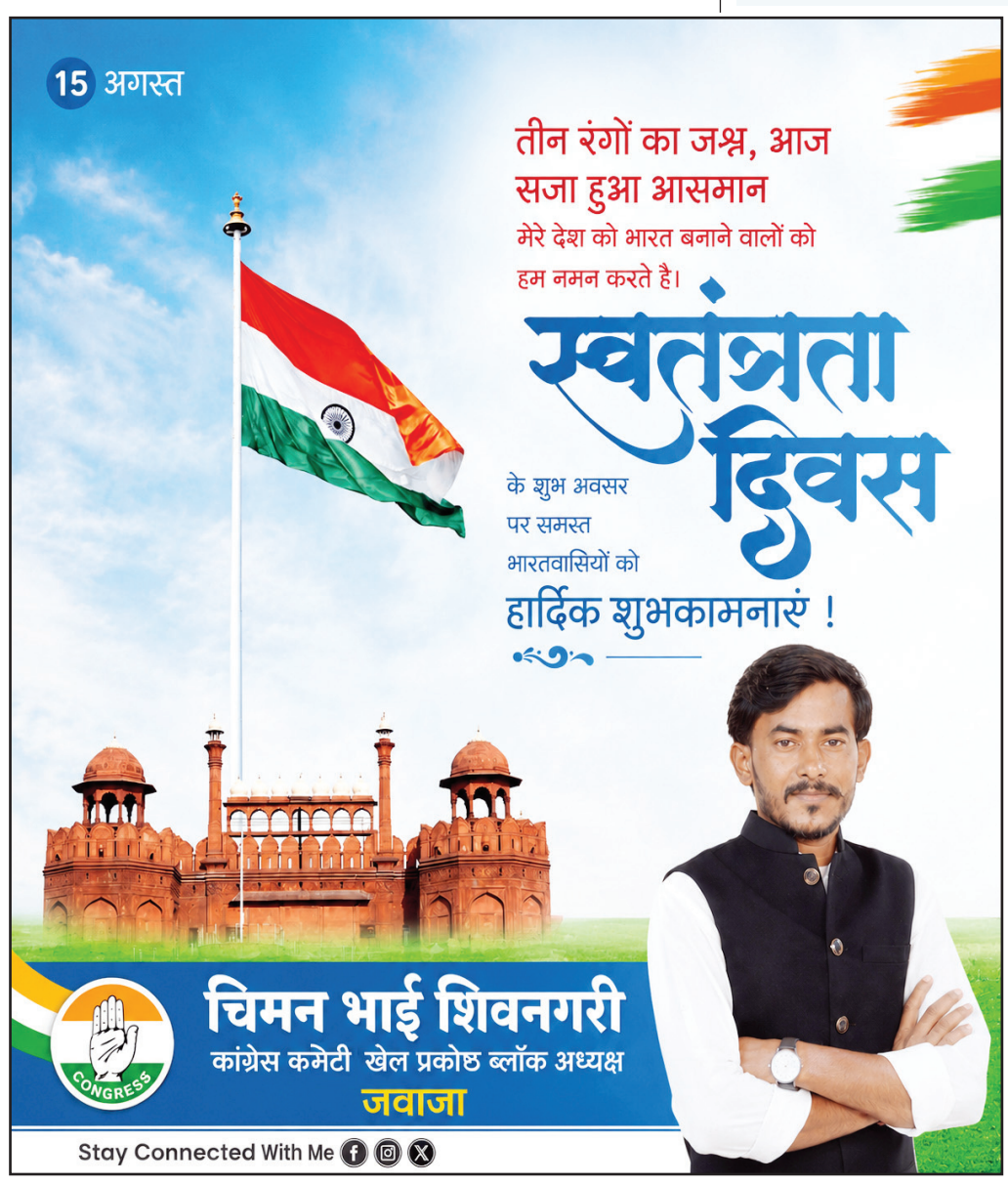

खजूरी में संकल्प सप्ताह के चौथे दिन अर्धनारीश्वर महादेव का अभिषेक

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक खजूरी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं राजस्थान सरकार के पूर्व राज्य मंत्री नेता धीरज गुर्जर के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित संकल्प सप्ताह के तहत शुक्रवार को चौथे दिन खजूरी में धार्मिक आयोजन किया गया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह कानावत ने बताया कि श्री नंद गौपाल गौशाला परिसर स्थित बाबा अर्धनारीश्वर महादेव का विधिवत अभिषेक किया गया। इस दौरान भगवान शिव से प्रार्थना करते हुए गौ माता को जल्द राष्ट्र माता का दर्जा दिए जाने की कामना की गई। कार्यक्रम में राजेश व्यास, राकेश व्यास, प्रशांत पारीक, भोजूलाल बलाई, नंदकिशोर गुर्जर, भंवर वैष्णव, हिमांशु सेन सहित अन्य कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

आप सभी को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
गोपीचन्द मीणा
विधायक, जहाजपुर
हरिना देवी मीणा
प्रशासक - ग्राम पंचायत रावत खेड़ा
वृक्षारोपण एक पेड़ माँ के नाम
*जलशक्ति अभियान के तहत् बरसाती पानी व्यर्थ न बहाएं। *पानी की बूंद-बूंद को बचाएं। *अधिकाधिक पौधारोपण करें एवं उनकी सुरक्षा करें। *जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण अवश्य कराएं।* बालविवाह सामाजिक अपराध है, इसे रोकें। * ग्राम पंचायत क्षेत्र को स्वच्छ बनाये रखने हेतुप्रत्येक घर में शौचालय का निर्माण करवायें। * स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखें, अपने आस पास गन्दगी नहीं होने दें।
समस्त ग्रामवासी,रावत खेड़ा

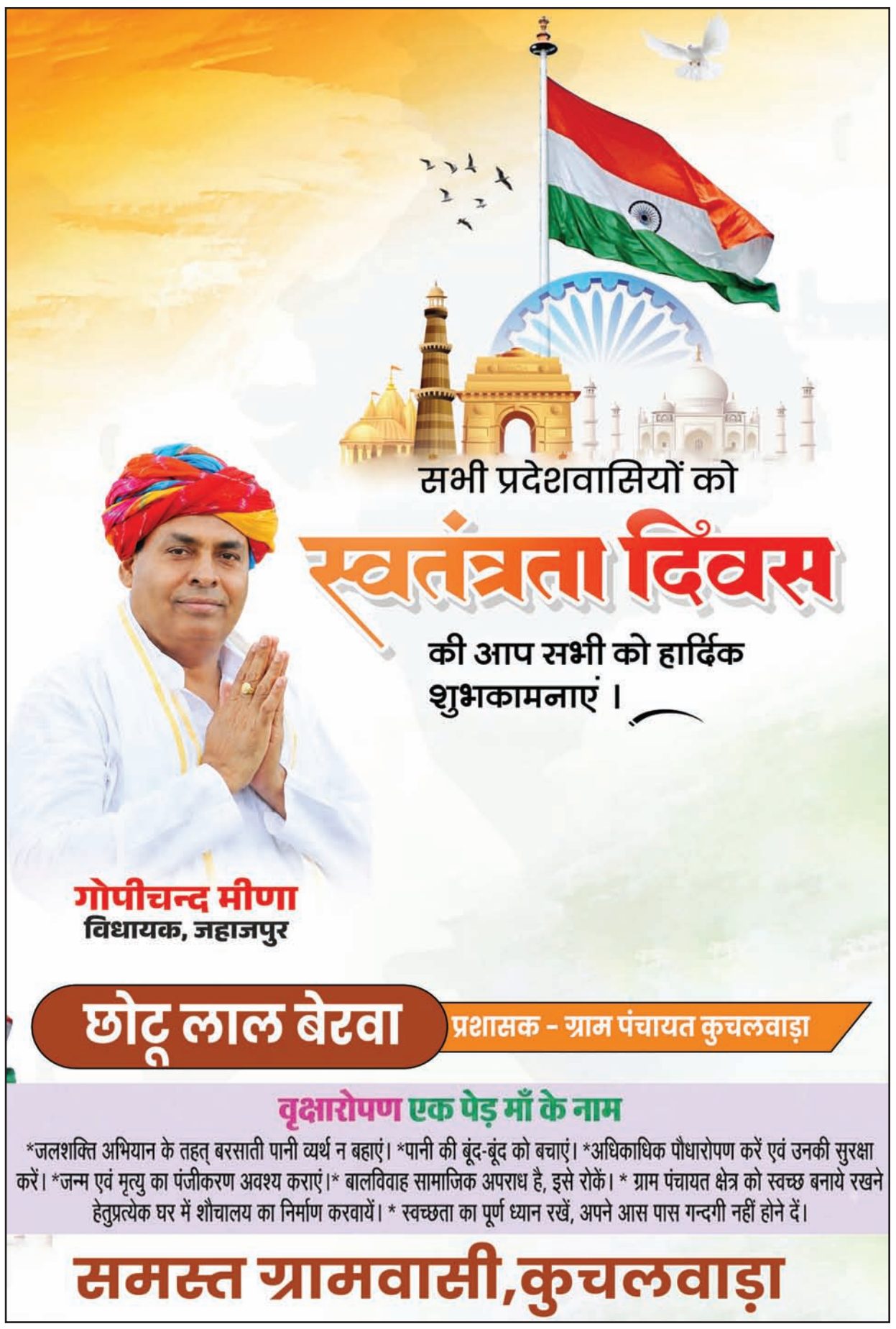
सभी प्रदेशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं ।
गोपीचन्द मीणा
विधायक, जहाजपुर
छोटू लाल बेरवा
प्रशासक - ग्राम पंचायत कुचलवाड़ा
वृक्षारोपण एक पेड़ माँ के नाम
*जलशक्ति अभियान के तहत् बरसाती पानी व्यर्थ न बहाएं। *पानी की बूंद-बूंद को बचाएं। *अधिकाधिक पौधारोपण करें एवं उनकी सुरक्षा करें। *जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण अवश्य कराएं।* बालविवाह सामाजिक अपराध है, इसे रोकें। * ग्राम पंचायत क्षेत्र को स्वच्छ बनाये रखने हेतुप्रत्येक घर में शौचालय का निर्माण करवायें। * स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखें, अपने आस पास गन्दगी नहीं होने दें।
समस्त ग्रामवासी,कुचलवाड़ा

गोपीचन्द मीणा
विधायक, जहाजपुर
आप सभी को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं।
कालू लाल बलाई
प्रशासक - ग्राम पंचायत खजूरी
वृक्षारोपण एक पेड़ माँ के नाम
*जलशक्ति अभियान के तहत् बरसाती पानी व्यर्थ न बहाएं। *पानी की बूंद-बूंद को बचाएं। *अधिकाधिक पौधारोपण करें एवं उनकी सुरक्षा करें। *जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण अवश्य कराएं।* बालविवाह सामाजिक अपराध है, इसे रोकें। * ग्राम पंचायत क्षेत्र को स्वच्छ बनाये रखने हेतुप्रत्येक घर में शौचालय का निर्माण करवायें। * स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखें, अपने आस पास गन्दगी नहीं होने दें।
समस्त ग्रामवासी,खजूरी

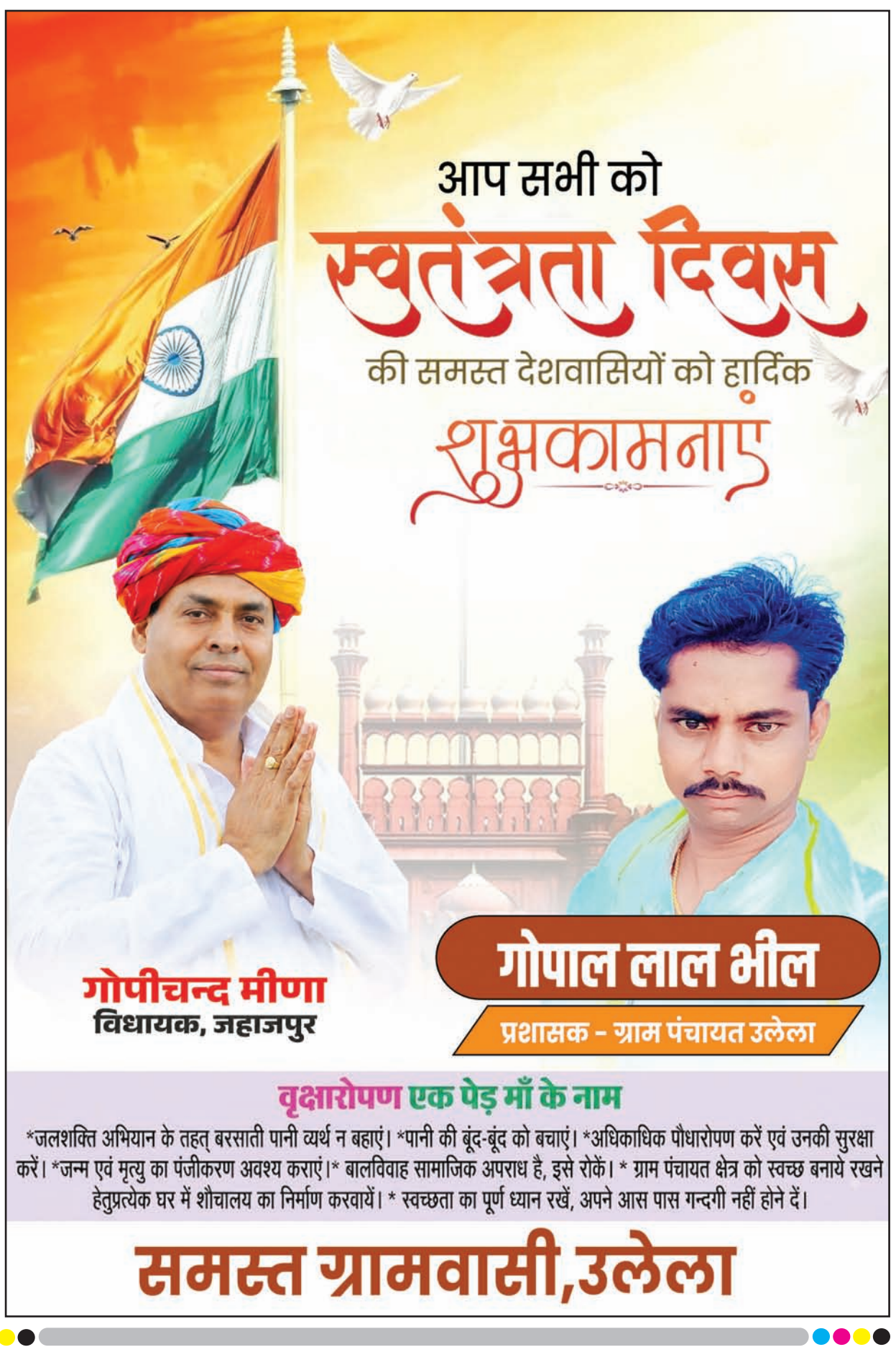
आप सभी को
स्वतंत्रता दिवस
की समस्त देशवासियों को हार्दिक
शुभकामनाएं
गोपीचन्द मीणा
विधायक, जहाजपुर
गोपाल लाल भील
प्रशासक - ग्राम पंचायत उलेला
वृक्षारोपण एक पेड़ माँ के नाम
*जलशक्ति अभियान के तहत् बरसाती पानी व्यर्थ न बहाएं। *पानी की बूंद-बूंद को बचाएं। *अधिकाधिक पौधारोपण करें एवं उनकी सुरक्षा करें। *जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण अवश्य कराएं।* बालविवाह सामाजिक अपराध है, इसे रोकें। * ग्राम पंचायत क्षेत्र को स्वच्छ बनाये रखने हेतुप्रत्येक घर में शौचालय का निर्माण करवायें। * स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखें, अपने आस पास गन्दगी नहीं होने दें।
समस्त ग्रामवासी,उलेला

स्वतंत्रता दिवस पर पत्रकार राकेश मीणा सहित 66 प्रतिभाएं होंगी सम्मानित

मांडलगढ़ में उपखंड स्तरीय समारोह में शिक्षा, खेल, राजकीय सेवा, पत्रकारिता और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा सम्मान...

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मांडलगढ़ में आयोजित होने वाले उपखंड स्तरीय समारोह में दैनिक भास्कर के वरिष्ठ पत्रकार राकेश मीणा सहित 66 प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। उपखंड अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी सम्मान सूची में छात्र-छात्राओं, राजकीय अधिकारी-कर्मचारियों, पत्रकारिता और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को शामिल किया गया है। पत्रकारिता के क्षेत्र में राकेश मीणा को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। वहीं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जमनालाल दरोगा और जगदीश माली का नाम भी सम्मान सूची में शामिल है।

मेधावी विद्यार्थियों और खिलाड़ियों को भी सम्मान

सम्मान सूची में बोर्ड परीक्षा में ब्लॉक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी शामिल किया गया है। कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों ने कृषि, विज्ञान और कला वर्ग में बेहतर परिणाम हासिल कर ब्लॉक स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किए हैं। राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल में चयनित खिलाड़ियों तथा स्काउट क्षेत्र में राज्य पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

राजकीय सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

विभिन्न विभागों में राजकीय दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इनमें चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, पुलिस, पंचायत समिति, तहसील, महिला एवं बाल विकास, आयुर्वेद, नगरपालिका सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। उपखंड प्रशासन की ओर से जारी सूची के अनुसार स्वतंत्रता दिवस समारोह में अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, सेवाओं और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से मांडलगढ़ क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली कुल 66 प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा।

तिरंगे के रंग में रंगा जहाजपुर, गूंजे भारत माता की जय के जयकारे

देशभक्ति के जोश से निकली भव्य तिरंगा यात्रा, हाथों में लहराया तिरंगा तो नारों से गूंज उठा पूरा शहर

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर। देशभक्ति के जज्बे और राष्ट्रप्रेम के उत्साह से शुक्रवार को जहाजपुर का माहौल तिरंगामय नजर आया। नगर में निकली भव्य तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया। हाथों में शान से लहराते तिरंगे और गूंजते देशभक्ति के नारों ने पूरे शहर में जोश भर दिया। तिरंगा यात्रा चावंडिया चौराहे से शुरू होकर हनुमान गेट, चमन चौराहा, नौ चौक, सदर बाजार, तकिया मस्जिद, भंवर कला गेट और बस स्टैंड होते हुए नगर पालिका परिसर पहुंची। यात्रा जिस रास्ते से गुजरी, वहां लोगों ने उत्साह के साथ तिरंगे का अभिवादन किया। इस दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के जयकारों से पूरा जहाजपुर गूंजता रहा। यात्रा में विधायक गोपीचंद मीणा, उपखंड अधिकारी छत्रपाल सिंह, पुलिस उपाधीक्षक रेवड़मल मोर्य, थानाधिकारी दयाराम चौधरी, विकास अधिकारी सीताराम मीणा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल रहे।

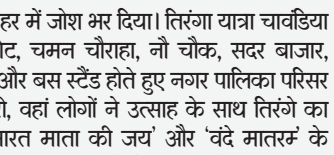

तिरंगे ने बांधा एकता के सूत्र में

तिरंगा यात्रा के दौरान नगर में देशभक्ति का ऐसा माहौल बना कि हर तरफ तिरंगा ही तिरंगा नजर आया। युवाओं और विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। हाथों में तिरंगा लेकर कदम से कदम मिलाते लोगों ने देश की आन-बान-शान तिरंगे को नमन किया। यात्रा ने जहाजपुर में राष्ट्रप्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश दिया। देशभक्ति के नारों के बीच निकली यह यात्रा दिनभर नगर में चर्चा का विषय बनी रही।

विभाजन की पीड़ा को किया याद, सामाजिक समरसता का लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर । विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर नगर परिषद ब्यावर में शुक्रवार को श्रद्धांजलि एवं स्मृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 1947 के विभाजन के दौरान विस्थापन और संघर्ष झेलने वाले लोगों के त्याग एवं बलिदान को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में नगर परिषद आयुक्त कीर्ति कुमावत, राजस्व अधिकारी मोहिन्द्र राय फुलवारी, असेसर विनीता प्रजापति, कनिष्ठ अभियंता कपिल गोरा सहित नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। इस दौरान सिंधी समाज के प्रतिनिधियों जेठानंद त्रिलोकनी, हेमंत देवनानी, रेनू परवानी, रजनी सदनानी, सुनील आडवाणी, प्रकाश एवं कमलेश गिलानी ने विभाजन के दौर की परिस्थितियों और विस्थापन के दौरान झेली गई पीड़ा एवं संघर्ष के अनुभव साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि विभाजन देश के इतिहास की बेहद पीड़ादायक घटना थी। लाखों लोगों को अपना घर-बार छोड़ना पड़ा। सिंधी समाज ने भी विस्थापन और पुनर्वास की कठिन परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन साहस, मेहनत और संघर्ष के बल पर नए स्थानों पर जीवन को फिर से स्थापित किया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने युवा पीढ़ी से इतिहास से सीख लेकर आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का आह्वान किया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभाजन से प्रभावित परिवारों और दिवंगत आत्माओं को नमन करते हुए देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

दुबई में बैठे गैंग के सरगना पर शिकंजा, जयपुर से गिरफ्तार हुआ 25 हजार का इनामी...

भीलवाड़ा में 40 लाख की रंगदारी का सनसनीखेज खेल, दुबई में बंधक बनाकर धमकाने वाले गैंग का सदस्य पुलिस के हत्थे चढ़ा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा(महेन्द्र नागौरी) दुबई में बैठकर आपराधिक नेटवर्क चलाने वाले गैंग पर भीलवाड़ा पुलिस ने बड़ा शिकंजा कसा है। सुभाषनगर थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दुबई में सक्रिय फैजल रऊफ शेख उर्फ लुत्फी गैंग के सदस्य मोहम्मद रज्जाक को जयपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर पहले से ही 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था और उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी कराया गया था।

दुबई में बंधक बनाया, भीलवाड़ा में 40 लाख की डिमांड

मामला 1 जुलाई 2026 का है। आरोप है कि फैजल रऊफ शेख उर्फ लुत्फी और उसके गैंग के सदस्यों ने परिवादिया के पति मुकेश कुमार टेलर को दुबई में बंधक बनाकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद

गैंग ने दबाव बनाते हुए दुबई से 1 लाख 70 हजार 220 अमीराती दिरहम के चार चेक हासिल किए। इसके बाद भीलवाड़ा में गैंग के सदस्यों राजा उर्फ राजू पठान और योगेश मुंदड़ा के जरिए परिवादिया और उसके पिता को मुकेश कुमार टेलर को दुबई में बंधक बनाए रखने तथा जान से मारने की धमकी दी गई। बदले में 40 लाख रुपए की रकम का चेक लिया गया। मामले में थाना सुभाषनगर में प्रकरण संख्या 227/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई।

दुबई से भागकर भारत आया... पहचान बदलकर छिपता रहा

पुलिस के अनुसार घटना के बाद आरोपी मोहम्मद रज्जाक अपने साथी मोईन खान के साथ भारत आया और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदलकर फरारी काट रहा था। पुलिस को मिली पुख्ता सूचना के बाद उसे जयपुर से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया।

गैंग के तीन सदस्य पहले ही जेल में:-

इस मामले में पुलिस पहले ही योगेश मुंदड़ा, मोईन खान और वसीम मोहम्मद पठान को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस कार्रवाई के दौरान योगेश मुंदड़ा और वसीम मोहम्मद की जमानत याचिकाएं हाईकोर्ट जोधपुर से खारिज हो चुकी हैं। वहीं इमरान उर्फ चुन्नूलाल, जिशान खान और रियाज हसन उर्फ राजा उर्फ राजू पठान की अग्रिम जमानत याचिका भी 14 अगस्त 2026 को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी।

अब 10 और वांछितों पर इनाम, लुकआउट सर्कुलर जारी:-

पुलिस ने मामले में फरार चल रहे फैजल रऊफ उर्फ लुत्फी, इमरान उर्फ चुन्नूलाल, जिशान खान, रियाज हसन उर्फ राजा उर्फ राजू पठान, फहीम फातिमा, जितेंद्र उर्फ जीतू माली, नीतू महेश, नीलम खोईवाल, मोहम्मद आदिल शेख और जाहिद खान उर्फ बादशाह की गिरफ्तारी के लिए 25-25 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की है। इन सभी के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी कराया गया है।

एसपी सागर राणा के निर्देश पर विशेष टीम का एक्शन

जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा, आईपीएस के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय राजेश आर्य और पुलिस उप अधीक्षक वृत्त सदर नेमीचंद चौधरी के निकटतम सुपरविजन में सुभाषनगर थाना प्रभारी कैलाश कुमार विश्नोई के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

यह थे टीम में:-

टीम में सुनील कानि , सोनू कुमार कानि , रतनलाल कानि , नरेश कुमार कानि और सत्यपाल कानि शामिल रहे।

पुलिस की रफ्तार बढ़ी–अब निशाने पर दुबई कनेक्शन से जुड़े बाकी वांछित। गिरफ्तार मोहम्मद रज्जाक से पूछताछ जारी है और पुलिस गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

बजरी के लिए सड़कों पर उतरे ट्रैक्टर, 10 दिन का अल्टीमेटम

स्थानीय ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को रियायती दर पर बजरी देने की मांग, ट्रैक्टर रैली निकालकर एसडीओ को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर। उपखंड क्षेत्र में स्थानीय ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को बजरी नहीं मिलने से शुक्रवार को क्षेत्रवासियों का आक्रोश सड़क पर नजर आया। बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ बारह देवरा से रैली निकाली गई। रैली चावंडिया चौराहा, देवली रोड, गफूर चौराहा व बस स्टैंड होते हुए खेल स्टेडियम पहुंची। यहां आंदोलनकारियों ने उपखंड अधिकारी छत्रपाल सिंह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर स्थानीय लोगों को रियायती दर पर बजरी उपलब्ध कराने की मांग की। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि बनास नदी से निकलने वाली बजरी ईआरसीपी कंपनी द्वारा बड़े वाहनों, ट्रकों व डंपरों से ले जाई जा रही है, जबकि स्थानीय ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को बजरी उपलब्ध नहीं कराई जा रही। इसके चलते स्थानीय लोगों को निर्माण कार्य के लिए महंगे दामों पर बजरी खरीदनी पड़ रही है। आंदोलनकारियों का कहना है कि बजरी की उपलब्धता नहीं होने से निर्माण कार्य से जुड़े कारीगरों, मजदूरों, ट्रैक्टर मालिकों और चालकों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ज्ञापन में कंपनी को गाद निकालने के दिए गए ठेके और किसानों को नियमानुसार गाद नि:शुल्क उपलब्ध कराने के निर्देशों का भी हवाला दिया गया। आरोप है कि इसके बावजूद गाद को ट्रकों और ट्रेलरों में भरकर ले जाया जा रहा है।

60 रुपए प्रति टन की दर से रॉयल्टी काटने की मांग

ज्ञापन में स्थानीय ट्रैक्टरों को रियायती दर पर बजरी उपलब्ध कराने तथा सरकारी दर 60 रुपए प्रति टन के अनुसार रॉयल्टी राशि काटने की स्वीकृति देने की मांग की गई। खेल स्टेडियम में रैली को संबोधित करते हुए नेतृत्वकर्ता एडवोकेट रामजस मीणा ने कहा कि स्थानीय लोगों को उनकी जरूरत के अनुसार बजरी उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि 10 दिन में मांग का समाधान नहीं हुआ तो इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

खराब सड़क से ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को हो रही परेशानी

ग्राम बरखेड़ा की मुख्य सड़क क्षतिग्रस्त, हादसों का खतरा

शिवदासपुरा/भरत देवड़वाल। राजधानी जयपुर जिले की चाकसू विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ा की मुख्य सड़क जो सरकारी व निजी विद्यालयों से जुड़ी हुई है, वर्तमान में जर्जर हालत में है। कहीं गहरे गड्ढे बनें हुए हैं, कितने गहरे गड्ढे बने हुए हैं और बरसात का कीचड़ इस तरह से दलदल बना हुआ है कि फोर व्हीलर टू व्हीलर के साथ भी बड़ी मुश्किल से आवागमन हो पता है लोगों का पैदल राहगीरों का तो आवागमन बिल्कुल ही पूरी तरह से बंद बराबर रास्ता है, यहां आने जाने के लिए इस सड़क से ग्राम गोपीरामपुरा, 19 मील, डाहर, सालगरामपुरा, नांगलमुरड़ा, प्रमुख जैन तीर्थस्थल बाड़ापदमपुरा, बापूगाँव तथा शिवदासपुरा के

विद्यार्थी और आमजन का प्रतिदिन आवागमन होता है। सड़क के अतिसतिग्रस्त होने की वजह से विद्यार्थियों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार विद्यार्थियों व आमजन को दुपहिया वाहन व पैदल चलते समय फिसलने से गंभीर चोटें भी आ चुकी हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बरखेड़ा की इस मुख्य सड़क का शीघ्र मरम्मत व निर्माण करवाया जाए, ताकि स्कूली बच्चों और आम जनता को राहत मिल सके और किसी बड़े हादसे से बचा जा सकें।

बहुचर्चित सजना हत्याकांड में महिला उत्पीड़न प्रकरण न्यायालय का अहम फैसला : दो आरोपी आजीवन कारावास और अर्थदंड से दंडित

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत भीलवाड़ा महिला उत्पीड़न प्रकरण न्यायालय ने वर्ष 2022 के सजना हत्याकांड में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए दो आरोपियों को हत्या का दोषी करार दिया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (महिला उत्पीड़न प्रकरण) ऋचा चौधरी ने आरोपी उगमलाल पुत्र नंदराम निवासी खेड़ा, थाना बनेड़ा तथा नारायण पुत्र रामकरण निवासी थाना बनेड़ा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोनों आरोपियों पर अलग-अलग धाराओं में अर्थदंड भी लगाया गया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। मामले के अनुसार 20 मई 2022 को जमनालाल ने बनेड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी करीब 40 वर्षीय पुत्री सजना पत्नी शिवलाल की उसके ससुराल में हत्या कर दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो सजना का शव कमरे में चारपाई और अलमारी के पास पड़ा मिला। उसके गले पर धारदार हथियार से वार के निशान पाए गए। पुलिस ने मौके से खून से सना चाकू सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए। मृतका के गले में पहना जाने वाला रामनामी मादलिया भी गायब मिला था। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी उगमलाल के खिलाफ धारा 302, 201, 397, 450 व 120-बी भादंसं तथा आरोपी नारायण के खिलाफ धारा 302 व 120-बी भादंसं सहित संबंधित धाराओं में आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया।

16 गवाह और 52 दस्तावेज बने अहम

मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष अदिति सेठिया की ओर से 16 गवाहों के बयान न्यायालय में दर्ज करवाए गए, जबकि 52 दस्तावेज साक्ष्य के रूप में पेश किए गए। उपलब्ध साक्ष्यों, गवाहों के बयानों और दस्तावेजों के परीक्षण के बाद न्यायालय ने दोनों आरोपियों को हत्या के मामले में दोषी माना। न्यायालय ने आरोपी नारायण को धारा 302 में आजीवन कारावास व 10 हजार रुपए अर्थदंड तथा धारा 120-बी में आजीवन कारावास व 5 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं आरोपी उगमलाल को धारा 302 में आजीवन कारावास व 10 हजार रुपए अर्थदंड, धारा 120-बी में आजीवन कारावास व 5 हजार रुपए अर्थदंड के साथ धारा 450 में 5 वर्ष, धारा 397 में 3 वर्ष तथा धारा 201 में 3 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई। इन धाराओं में भी अलग-अलग अर्थदंड लगाया गया। अर्थदंड जमा नहीं कराने पर दोनों आरोपियों को संबंधित धाराओं में अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। न्यायालय ने आदेश दिया कि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी तथा पुलिस एवं न्यायिक अभिरक्षा में बिताई गई अवधि को नियमानुसार सजा की अवधि में समायोजित किया जाएगा।

आईएल मंदिर में भक्ति और संगीत से सजा हिंडोला उत्सव

राधा-कृष्ण के मनोहारी श्रृंगार के बीच महिलाओं ने भजनों पर किया नृत्य

स्मार्ट हलचल

कोटा। सावन की भक्ति और उल्लास से आईएल मंदिर का वातावरण उस समय भक्तिमय हो उठा, जब मंदिर महिला मंडल की ओर से हिंडोला उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। राधा-कृष्ण के मनोहारी श्रृंगार, मधुर भजनों और महिलाओं के भावपूर्ण नृत्य ने पूरे वातावरण को कृष्ण भक्ति के रंग में रंग दिया। उत्सव में करीब 150 महिला-पुरुषों ने सहभागिता की। महिला मंडल की संयोजिका पुष्पा गट्टानी ने बताया कि इस अवसर पर राधा-कृष्ण का विशेष एवं आकर्षक श्रृंगार कमलेश राठौर एवं पूनम भट्ट ने किया। इसके बाद महिलाओं ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। राधा तिवारी ने 'राधा मैं तेरे पर मगन', पूनम भट्ट ने 'राधे-राधे बोल चले आएंगे बिहारी', चंदा मित्तल एवं संतोष नामा ने 'राधे झूले में पधारो झुक आए बदरा', पुष्पा मथुरिया ने 'सांवरिया झूला डल गया रे' तथा पुष्पा खंडेलवाल ने 'रंगीलो सावन आयो रे' सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर महिलाओं ने उत्साहपूर्वक नृत्य कर उत्सव में चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट के संरक्षक सुरेंद्र शर्मा, पूर्व पार्षद योगेंद्र आहलुवालिया राणा, अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल, सचिव योगेंद्र जोशी, सत्यनारायण चीता, दिवाकर दाधीच, ताराचंद गुप्ता, ओम गट्टानी सहित अनेक पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मंदिर पुजारी मनोज तिवारी ने भगवान की आरती कराई। आरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर राधे-कृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। इसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण की।

शहरी सेवा शिविर या 'सेवा' का नया समीकरण पट्टे के लिए जनता चक्कर काटे, फाइलें ढूंढे और जवाब भी खुद ही तलाशे!

'फाइल पूरी, प्रक्रिया पूरी, फिर पट्टा अधूरा क्यों शाहपुरा में 'शहरी सेवा' पर बड़ा सवाल...

स्मार्ट हलचल

मूलचन्द पेसवानी, शाहपुरा। नगर पालिका शाहपुरा इन दिनों कुछ ऐसी परिस्थितियों से गुजर रही है कि शहरवासियों को पहली बार यह सवाल सताने लगा हैकृआखिर नगर पालिका बनी किसलिए है? रियासतकाल से चली आ रही पालिका व्यवस्था को शाहपुरा की जनता ने हमेशा अपनी जरूरतों का सहारा माना। लेकिन अब हालात ऐसे हैं कि जिस व्यवस्था को जनता की सुविधा का केंद्र होना चाहिए, वही व्यवस्था जनता के लिए चक्कर, इंतजार और सवालों का केंद्र बनती दिखाई दे रही है। सरकारी योजनाओं और अभियानों में अक्सर 'जनसेवा सर्वोपरि' का नारा सुनाई देता है। लेकिन शाहपुरा में चल रहे शहरी सेवा शिविर के कुछ अनुभव इस नारे की असली परीक्षा लेते नजर आ रहे हैं। सरकार ने जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए शिविर लगाया, पट्टे जारी करने और लंबित मामलों को निपटाने का अभियान चलाया। राजनीतिक स्तर पर इसकी उपलब्धियां भी गिनाई गईं। जनप्रतिनिधि पहुंचे, पट्टे बांटे गए और तस्वीरें भी सामने आईं। जिन लोगों को पट्टे मिले, उन्हें निश्चित रूप से बधाई और पालिका प्रशासन को साधुवाद। लेकिन असली सवाल उन लोगों का है जिनके आवेदन लिए गए, शुल्क जमा हुआ, फाइल चली, मौका निरीक्षण हुआ, ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी हुई, समाचार पत्रों में उजरदारी की सूचना तक प्रकाशित हो गईकृफिर भी पट्टा हाथ में नहीं आया।

यही वह जगह है जहां शहरी सेवा शिविर की पूरी अवधारणा सवालों के घेरे में खड़ी हो जाती है।

फाइल 'प्रोसेस' में है... लेकिन आखिर कितने दिन?

आवेदक पालिका में आवेदन करता है। निर्धारित शुल्क जमा करता है। उसे बताया जाता है कि फाइल प्रक्रिया में है। आवेदक सोचता हैकृचलो, सरकार ने शिविर लगाया है तो अब काम हो जाएगा।

फिर मौका निरीक्षण होता है। कागजी प्रक्रिया

पूरी होती है। ऑनलाइन काम पूरा होता है। उजरदारी की सूचना प्रकाशित होती है। कोई आपत्ति भी सामने नहीं आती। इसके बाद आवेदक स्वाभाविक रूप से पूछता हैकृअब पट्टा कब मिलेगा?

यहीं से 'सेवा' का असली इम्तिहान शुरू होता है।

कभी नियमों का हवाला, कभी प्रक्रिया की बात, कभी इंतजार की सलाह और कभी यह एहसास कि जैसे आवेदक ने कोई असाधारण मांग कर दी हो। जनता का सवाल सीधा हैकृजब सरकार ने स्वयं सेवा शिविर लगाया है और प्रक्रिया पूरी करने के बाद पट्टा देने का उद्देश्य रखा है तो फिर अंतिम चरण में फाइलें क्यों अटक रही हैं?

क्या सेवा शिविर का मतलब सिर्फ आवेदन लेना है? या फिर उसका मतलब यह भी है कि आवेदन का अंतिम परिणाम आवेदक के हाथ में पहुंचाया जाए?

बैनर लगा है... शिविर कहां है?

शहरी सेवा शिविर के लिए नगर पालिका सभागार में बाकायदा व्यवस्था की गई है। बैनर भी लगा है। तारीख बदलती है, वार्ड संख्या बदलती है और सरकारी अभियान चलता रहता है।

लेकिन जनता पूछ रही हैकृशिविर में जनता की सुनवाई कौन करेगा?

आवेदक अपनी फाइल का स्टेटस पूछने पहुंचता है तो कई बार उसे ही फाइलों के ढेर में अपनी फाइल तलाशने की मशक्कत करनी पड़ती है। यह दृश्य किसी व्यंग्य से कम नहीं है। जिस व्यवस्था का उद्देश्य नागरिक को सुविधा देना था, उसमें नागरिक ही अपनी फाइल का 'लोकेशन ट्रैकर' बन जाए तो फिर इसे सेवा कहें या व्यवस्था का नया प्रयोग?

सरकारी दफ्तर में फाइल का ढेर कोई नई बात नहीं है। लेकिन शहरी सेवा शिविर का उद्देश्य ही यही था कि फाइलें ढेर में न रहें, बल्कि जनता की समस्या समाधान की मेज तक पहुंचे।

पद खाली हैं तो हर काम क्यों नहीं रुकता?

पालिका स्तर पर अक्सर कर्मचारियों और अधिकारियों के पद रिक्त होने की बात सामने आती है। यह निश्चित रूप से व्यवस्था की गंभीर समस्या है। लेकिन जनता का सवाल यह भी है कि जब किसी काम को करना जरूरी होता है तो क्या पदों की कमी हमेशा बाधा बनती है?

सरकार को यदि अपने अभियान की सफलता दिखानी है तो उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि शिविर सिर्फ उद्घाटन और प्रचार तक सीमित न रहे।

जनता को भाषण नहीं, परिणाम चाहिए। बैनर नहीं, पट्टा चाहिए। आश्वासन नहीं, समाधान चाहिए।

और सबसे बड़ी बातकृसम्मानजनक व्यवहार चाहिए।

राजनीति के लिए भी खतरे की घंटी

शहरी सेवा शिविर कोई सामान्य प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं है। इसके पीछे सरकार की राजनीतिक मंशा भी साफ हैकृजनता को सरकारी सेवाएं उसके द्वार तक पहुंचें, लोगों के पुराने काम पूरे हों और शासन के प्रति विश्वास मजबूत हो।

ऐसे में यदि शिविर के अंतिम दिनों में भी बड़ी संख्या में आवेदन लंबित रहते हैं तो इसका नुकसान केवल पालिका को नहीं, बल्कि सरकार और जनप्रतिनिधियों की छवि को भी उठाना पड़ेगा।

शाहपुरा के विधायक डॉ. लालाराम बैरवा को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जनता के सामने आंकड़े रखने चाहिए।

कितने आवेदन आए?

कितने पट्टे बने?

कितने आवेदन लंबित हैं?

कितनी फाइलों की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है?

कितने मामलों में आपत्तियां हैं?

और कितने ऐसे आवेदन हैं जिनमें प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद पट्टे जारी नहीं हुए?

इन सवालों के सार्वजनिक जवाब से ही शहरी सेवा शिविर की वास्तविक सफलता सामने आएगी।

प्रशासक का राज, तो जवाबदेही भी उसी व्यवस्था की

नगर पालिका में फिलहाल निर्वाचित बोर्ड का कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रशासक व्यवस्था लागू है। ऐसे समय में प्रशासनिक जवाबदेही और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

जनता यह जानना चाहती है कि शिविर में लंबित मामलों की नियमित समीक्षा हो रही है या नहीं? फाइलें किस स्तर पर अटकी हैं? किस कारण से प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी परिणाम नहीं मिल रहा?

यह किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ सवाल नहीं है। यह पूरी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल है।

और इस सवाल का जवाब भी व्यवस्था को ही देना होगा।

जनता को 'सेवा' नहीं, सेवा का परिणाम चाहिए

शाहपुरा की जनता बहुत कुछ सहन कर सकती है, लेकिन अपने ही काम के लिए बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाना और हर बार नई उम्मीद लेकर लौटना अब आसान नहीं है।

सरकार ने शिविर लगाया है तो उसे सार्थक भी बनाना होगा।

शिविर के अंतिम दिनों में प्रशासन को लंबित फाइलों की वार्डवार समीक्षा करनी चाहिए। पूर्ण दस्तावेज वाले मामलों को प्राथमिकता से निपटाना चाहिए और जहां कोई कमी है, वहां आवेदक को स्पष्ट रूप से लिखित जानकारी देनी चाहिए कि कमी क्या है और समाधान कैसे होगा।

क्योंकि लोकतंत्र में जनता किसी अधिकारी या कर्मचारी की कृपा की पात्र नहीं है। सरकारी सेवा उसका अधिकार है।

शाहपुरा में अब जरूरत है कि शहरी सेवा शिविर की फोटो से आगे बढ़कर उसकी फाइलों का एक्स-रे किया जाए।

कितनी फाइलें आईं, कितनी चलीं और कितनी मंजिल तक पहुंचींकृयह हिसाब जनता के सामने आना चाहिए।

वरना सवाल उठेगा कि शिविर जनता की सुविधा के लिए लगा था या सिर्फ सरकारी फाइलों में एक और उपलब्धि जोड़ने के लिए?

शाहपुरा को बैनर वाला शिविर नहीं चाहिए। शाहपुरा को परिणाम वाला शिविर चाहिए।

और अगर जनता को अपनी ही फाइल ढूंढनी पड़े, अपना ही स्टेटस पूछना पड़े और अपने ही काम के लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ें तो फिर सवाल उठना स्वाभाविक हैकृ

'शहरी सेवा शिविर' में सेवा आखिर किसकी हो रही है?

यह सवाल आज प्रशासन से है। कल राजनीति से भी पूछा जाएगा। और आने वाले चुनावों में जनता इसका जवाब अपने तरीके से देगी।

रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष में माहेश्वरी भवन पर 13और 14 अगस्त लगा शोपिंग बाजार

स्मार्ट हलचल/ रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी

माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा माहेश्वरी भवन में रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष में उमंग मेले-2.0 का आयोजन किया गया। महिला उद्यमी बहनों द्वारा विभिन्न प्रकार की शॉपिंग की दुकाने लगा कर साड़ी , सूट, भगवान की ड्रेस ,राखी, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, सजावटी सामान , लहरिया एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराए गए। अध्यक्ष मीनाक्षी जाखेटिया ने बताया कि त्योहार के समय महिलाओं को समय कम रहता है और एक ही जगह सभी प्रकार की खरीददारी हो जाए तो महिलाओं का काफी समय बच जाता है। इसी को देखते हुए महिला मंडल द्वारा यह मेला लगाया गया। 13 अगस्त दोपहर 1:00 बजे मेले का उद्घाटन समाज के सभी वरिष्ठ महिला सदस्यों द्वारा किया गया । माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष अपने कार्यकारिणी के साथ उपस्थित रहे। सचिव श्रेहा भूतडा , कोषाध्यक्ष पूजा भूतड़ा, सहित समस्त कार्यकारिणी और सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

स्वतंत्रता दिवस से पहले पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा चाक-चौबंद

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था को चाक

चौबंद बनाने की कवायद तेज कर दी गई है। इसी कड़ी में 11 अगस्त को दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन थाने का दौरा कर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया और पुलिसकर्मियों को ग्राउंड रिस्पांस के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए। डीसीपी बी भारत रेड्डी का कहना है कि सुरक्षा तैयारियों का निरीक्षण करने पहुंचे विशेष पुलिस आयुक्त विजय कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रांसपोर्ट रेंज) मिलिंद डुमबरे और पुलिस उपायुक्त (रेलवे) बी. भारत रेड्डी ने थाना क्षेत्र के महत्वपूर्ण व संवेदनशील स्थलों का कई घंटे तक मुआयना किया। अधिकारियों ने विशेष रूप से छाता रेल, पार्सल एरिया, इमारतों की छतों (रूफटाप्स) तथा मुख्य ड्यूटी प्वाइंटस पर तैनात पुलिस बल की स्थिति को परखा। इस दौरान सीसीटीवी सर्विलांस, एक्सेस कंट्रोल और किसी भी कानून-व्यवस्था या सुरक्षा संबंधी आपात स्थिति से निपटने की परिचालन तत्परता की समीक्षा की गई। यह सब इसलिए किया जा रहा है क्योंकि रेलवे स्टेशन के पास में लाल किला है। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने थाने के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर कई दिशा-निर्देश दिए। जवानों को कहा गया कि भीड़भाड़ वाले और संवेदनशील इलाकों में पैनी नजर रखी जाए तथा सघन चेकिंग अभियान चलाया जाए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या लावारिस वस्तु की सूचना पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। 15 अगस्त तक रेलवे सुरक्षा बल और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ निरंतर तालमेल बनाकर संयुक्त जांच अभियान चलाया जाए। रेल संपत्ति की सुरक्षा के साथ-साथ आम यात्रियों की सुरक्षित और सुगम आवाजाही के लिए स्टेशन परिसर में प्रभावी व्यवस्था बनी रहे। इस निरीक्षण और ब्रीफिंग का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस के दौरान पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा घेरे को पुख्ता बनाना है।

दिल्ली में राशन कार्ड रद्द होने से 600 परिवारों पर संकट, सब्सिडी वाले अनाज और सरकारी योजनाओं से हुए वंचित

नई दिल्ली, एजेंसी। देवली विधानसभा के दक्षिणपुरी एक्सटेंशन स्थित डीडीए फ्लैट्स के निवासियों के राशन कार्ड रद होने से इलाके के छह सौ परिवार परेशान हैं। स्थानीय आरडब्ल्यूए के मुताबिक इलाके के डीडीए फ्लैट्स में बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न आय वर्ग के परिवार रहते हैं। पात्र निवासियों के राशन कार्ड रद होने से सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी हो रही है। इस मामले पर मुख्यमंत्री एवं दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री तक को पत्र भेजकर सभी पात्र लोगों के राशनकार्ड दोबारा से बहाल करने की गुहार लगाई गई है। आरडब्ल्यूए के मुताबिक दक्षिणपुरी ब्लाक 20 में छह सौ डीडीए व जनता फ्लैट्स हैं। बुनियादी सुविधाओं एवं सामाजिक आर्थिक स्थिति के मामले में नजदीकी इलाकों की तुलना में यह क्षेत्र पिछड़ा हुआ है। इसके बावजूद इन क्षेत्रों के पात्र निवासियों को अभी भी राशन एवं अन्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जबकि ब्लाक 20 के परिवार पिछले तीन सालों से राशन कार्ड के बगैर परेशान हैं। राशन कार्ड रद होने से जरूरतमंद लोग सब्सिडी वाले अनाज से वंचित हैं।

14 की उम्र में घर से भागी, 17 में बनी मानव तस्कर

किशोरियों से देह व्यापार कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। नशा तस्करी गिरोह चलाने वाली महिलाओं की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली पुलिस ने मानव तस्करी करने वाले गिरोह का भी भंडाफोड़ किया है। तीन महीने की जांच और तीन राज्यों की छापेमारी के बाद पुलिस गिरोह के सरगना के तक पहुंचकर हैरान रह गई।

महज 14 वर्ष की उम्र में घर छोड़कर भागी किशोरी ने अगले तीन वर्षों में दिल्ली से लेकर राजस्थान, गुजरात और उत्तर प्रदेश तक में मानव तस्करी का पूरा साम्राज्य खड़ा कर दिया। निम्न आयवर्ग की वो किशोरियां, जो सोशल पर सक्रिय रहतीं, उन्हें दूसरे राज्यों में अच्छी नौकरी, रहने की जगह और बढ़ियां पैसों का झांसा दिया जाता।

घर से भागकर पहुंचने पर सच्चाई पता लगती। लौटने पर परिवार की ओर से अपनाने से इनकार के डर के बीच किशोरियां स्पा सेंटर या देह व्यापार के दलदल में ढकेल दी जातीं। पुलिस ने मामले में गिरोह की सरगना समेत सात लोगों को पकड़ा है। वहीं तीनों राज्यों से कुल 12 किशोरियों का गिरोह के चंगुल से छुड़ाया गया।

दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल के मुताबिक इसकी शुरुआत नौ मई को अंबेडकर नगर थाने में दर्ज एक 15 वर्ष की नाबालिग के गुमशुदगी से हुई। जांच के दौरान पता चला कि उसे सोशल मीडिया पर अच्छी कमाई वाली नौकरी, आकर्षक वेतन और बेहतर जीवनशैली का लालच देकर फंसाया गया था। वह सोशल मीडिया पर एक किशोरी के संपर्क में थी और दोनों एक साथ घर से

भागने वाली थीं। तकनीकी निगरानी और डिजिटल सबूतों के विश्लेषण से उसके गुजरात के कच्छ जिला स्थित मुंद्रा पोर्ट के पास होने की जानकारी मिली। दिल्ली पुलिस की टीम गुजरात पहुंची और मुंद्रा में टीजीआर होटल में चल रहे स्पा से नाबालिग को बचाया।

वहीं स्पा सेंटर मालिक दमानी सुशील हरेश उर्फ सुशील, रिसेप्शनिस्ट लक्ष्य और दो नाबालिग किशोरियों को पकड़ा। वहां से मिले सबूतों के आधार पर 23 मई को उत्तर प्रदेश के बलिया में रेलवे स्टेशन मेलोडी स्पा सेंटर में छापेमारी कर सात किशोरियों को बचाया और सेंटर संचालक मोनू शर्मा व संजीव मौर्य उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया।

इसके बाद दिल्ली के गणेश नगर स्थित एक घर से दो किशोरियों को बरामद करते हुए आरोपित खुशी उर्फ पूजा को गिरफ्तार किया गया। मामले में एक राज्य से दूसरे राज्य तक किशोरियों को ले जाने वाला आरोपित प्रिंस फरार चल रहा है। पुलिस के मुताबिक गिरोह ने राजस्थान में भी कुछ किशोरियों को भेजा था। उनका पता लगाने के साथ ही मामले में आगे की जांच की जा रही है।

गुजरात में पकड़ी गई दोनों किशोरियां दक्षिणी दिल्ली की

गुजरात के मुंद्रा में टीजीआर होटल में चल रहे स्पा से बरामद दोनों आरोपित किशोरियां भी दक्षिणपुरी की रहने वालीं हैं। सोशल मीडिया पर दोनों ने अंबेडकर नगर की रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी व उसकी सोशल मीडिया दोस्त से संपर्क किया था। हालांकि दोनों स्वयं भी इसी तरह गिरोह के झांसे में आईं थी। किशोर न्याय बोर्ड ने भी दोनों को पीड़ित माना। दोनों को मिलाकर दिल्ली पुलिस ने कुल 12 किशोरियों को गिरोह से बचाया। दमानी सुशील हरेश उर्फ सुशील (कच्छ, गुजरात): मुंद्रा में स्पा का मालिक।

आप नहीं करेंगे तो हम आदेश देंगे, पैकेज्ड फूड पर चेतावनी लेबल को लेकर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को अल्टीमेटम

नई दिल्ली, एजेंसी। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर चेतावनी लेबल लगाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और स्वास्थ्य को कड़ा अल्टीमेटम दिया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को उच्च मात्रा में चीनी, नमक और संतृप्त वसा वाले पैकेटबंद खाद्य उत्पादों पर सामने की तरफ चेतावनी लेबल लगाने के लिए अल्टीमेटम जारी किया।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने चेतावनी देते हुए कहा, ÷अगर आप नहीं कर सकते, तो

हम आदेश पारित करेंगे।

जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने खाद्य निकाय के इस तर्क की ओर ध्यान दिलाया कि उद्योग लेबलिंग के विचार का विरोध कर रहा था। याचिकाकर्ता ने खाद्य पैकेटों पर चेतावनी लेबल लगाने के उद्योग के विरोध का हवाला देते हुए, एफएसएसएआई ने अतिरिक्त चीनी, संतृप्त वसा और नमक की अनुशंसित दैनिक आवश्यकता की सारणीबद्ध घोषणा का सुझाव दिया है। जिसके बाद न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने एफएसएसएआई को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और खाद्य नियामक की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताते हुए सवाल उठाया कि क्या ये प्राधिकरण कॉरपोरेट जगत के दबाव के आगे झुक रहे हैं? कोर्ट ने साफ किया कि यह मामला देश के नागरिकों और विशेषकर बच्चों की सेहत से जुड़ा है, इसलिए इस पर फैसला उद्योगों के विरोध से नहीं बल्कि जनहित से संचालित होना चाहिए।

यदि आप ऐसा नहीं कर सकते, तो हम करेंगे...: इस दौरान एएसजी बृजेंद्र चाहर ने अदालत से सरकार की प्रस्तावित कार्ययोजना को स्पष्ट करने की अनुमति देने का अनुरोध किया, लेकिन अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकार को ठीक वही करना होगा जो अदालत ने निर्देश दिया है। कोर्ट ने फिर अपने आदेश को दोहराते हुए कहा, यदि आप ऐसा नहीं कर सकते, तो हम आदेश पारित करेंगे। एएसजी ने तर्क दिया कि विकसित देशों में खाद्य पदार्थों में आमतौर पर नमक, चीनी और वसा का स्तर कम होता है, इसलिए उन्हीं मानकों को सीधे पारंपरिक भारतीय खाद्य पदार्थों पर लागू करना अनुचित होगा।

क्या भारत को एक अविकसित देश बने रहना चाहिए?: इस पर कोर्ट ने केंद्र सरकार के इस तर्क को खारिज करते हुए पूछा, फक्या भारत को एक अविकसित देश बने रहना चाहिए? क्या भारत के लिए विकसित देशों द्वारा अपनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय पैकेजिंग मानकों का पालन करना मुश्किल है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि चेतावनी लेबल का उद्देश्य किसी उत्पाद की बिक्री को रोकना नहीं है, बल्कि उपभोक्ता को यह सूचित करना है कि वे क्या उपभोग कर रहे हैं। हालांकि, निर्माताओं को यह प्रणाली नापसंद हो सकती है क्योंकि यह उनके व्यवसाय को प्रभावित कर सकती है।

मंडोली जेल रोड पर गड्ढे के कारण ई-रिक्शा पलटा, छह लोग घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। मंडोली जेल रोड बदहाल स्थिति में है। निगम की इस सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं। इन गड्ढों की वजह से एक ई रिक्शा पलट गया। हादसे में छह लोग मामूली रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने रिक्शे में सवार लोगों को बचाया। आरोप है विधायक व निगम से शिकायत के बाद भी सड़क की स्थिति सुधारी नहीं जाती है।

जेल रोड इन दिनों बदहाल स्थिति में है। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढे वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। गड्ढों के कारण एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा सवार छह लोगों को मामूली चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार कराया।

अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की अनदेखी: स्थानीय लोगों का कहना है कि जेल रोड पर लंबे समय से सड़क की स्थिति खराब है। कई जगह सड़क टूटने के साथ गहरे गड्ढे बन गए हैं। रात के समय इन गड्ढों में वाहन फंसने और दोपहिया वाहन चालकों के गिरने का खतरा बना रहता है। ल सड़क से रोजाना बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं, लेकिन इसके बावजूद मरम्मत की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। स्थानीय निवासी बताते हैं कि सड़क की बदहाली को लेकर कई बार क्षेत्रीय विधायक चौधरी सुरेंद्र से शिकायत की जा चुकी है। लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद अब तक सड़क की स्थिति सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोगों ने संबंधित विभाग से जल्द सड़क की मरम्मत कराने और गड्ढों को भरने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते सड़क दुरुस्त नहीं की गई तो आने वाले दिनों में बड़ा हादसा हो सकता है।

2047 का मास्टर प्लान पुराने आंकड़ों पर क्यों, नई जनगणना के बीच उठे दिल्ली के भविष्य पर बड़े सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मास्टर प्लान 2047 को लेकर विशेषज्ञों ने इसकी कानूनी और व्यावहारिक प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के पूर्व योजना आयुक्त अशोक कुमार जैन के अनुसार, 2041 का मास्टर प्लान 2011 की जनगणना के आधार पर तैयार किया गया था, जबकि 2026 में नई जनगणना की प्रक्रिया जारी है। ऐसे में 2047 के मास्टर प्लान के लिए नए डेटा को ही आधार बनाया जाना चाहिए। इसके साथ ही, ड्राफ्ट पर जनता से आपत्तियां और सुझाव लिए बिना इसे सीधे डीडीए बोर्ड बैठक से पास कराकर केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय को भेजना नियम अनुसार गलत है, जिससे यह योजना भविष्य में कानूनी अड़चनों में फंस सकती है। वहीं, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ अर्बन अफेयर्स (एनआइयूए) के पूर्व निदेशक और दिल्ली मास्टर प्लान 2041 का हिस्सा रहे हितेश वैद्य का कहना है कि मास्टर प्लान की सफलता उसकी सोच से ज्यादा उसके जमीनी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई जनगणना के बाद आबादी, आवास और बुनियादी ढांचे की नई तस्वीर सामने आएगी। इसलिए मास्टर प्लान को एक जीवंत दस्तावेज होना चाहिए। इसके अलावा, दिल्ली की परिवहन, पर्यावरण और आवास संबंधी चुनौतियां पूरे एनसीआर क्षेत्र से जुड़ी हैं, इसलिए दोनों योजनाओं में बेहतर तालमेल अनिवार्य है। विशेषज्ञों का मानना है कि मास्टर प्लान 2047 की मंजूरी सिर्फ एक शुरुआत है।

पाकिस्तान फिर बेनकाब, पूर्व मंत्री ने खुद को बताया हाफिज सईद का गुलाम; भारत को दी धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सत्ता और आतंकवाद का गठजोड़ कितना गहरा है, ये एक बार फिर बेनकाब हो गया है। दरअसल पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के करीबी रहे और उनकी सरकार के मंत्री रहे शेख रशीद ने अब खुद को खूंखार आतंकी हाफिज सईद का नौकर बता दिया है। शेख रशीद न सिर्फ इस्लामाबाद में लश्कर ए तैयबा के कार्यक्रम में शामिल हुआ, बल्कि उसने खुद को हाफिज सईद का समर्थक भी बताया। इस दौरान मंच पर लश्कर के कई खूंखार आतंकी भी मौजूद रहे, जिनमें लश्कर का वरिष्ठ कमांडर शेख याकूब और संधू शामिल रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शेख रशीद ने कहा, मैं हाफिज सईद साहब का गुलाम हूं। रशीद ने ये भी बताया कि एक बार उसके फोन में हाफिज सईद का नंबर मिला था, जिसके चलते उसे अमेरिका से बाहर कर दिया गया था। इसके साथ ही शेख रशीद ने मंच से भारत को धमकियां भी दी। गीदड़ भभकी दिखाते हुए शेख रशीद ने कहा कि अगर भारत ने पाकिस्तान की तरफ देखा तो वहां कोई चिड़िया नहीं चहचहाएगी और न ही मंदिर में घंटियां बजेगी और भारत में ऐसा कोई काम नहीं होगा, जो पाकिस्तान के खिलाफ हो। शेख रशीद पाकिस्तान की इमरान खान सरकार में 2020 से 2022 तक गृह मंत्री रहा। वह अवामी मुस्लिम लीग पार्टी का संस्थापक नेता भी है। शेख रशीद इससे पहले भी अपने भारत विरोधी बयानों को लेकर चर्चा में रहा है। 2019 में भी शेख रशीद ने भारत के खिलाफ बेहद उग्र बयान दिए थे और युद्ध और परमाणु हथियारों की बात की थी। हाफिज सईद आंतकी संगठन लश्कर एक तैयबा का प्रमुख है और भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची में शामिल है। हाफिज सईद ही 26/11 के मुंबई हमले का मास्टरमाइंड है। साथ ही पुलवामा में हुए हमले का मास्टरमाइंड भी उसे ही माना जाता है। हाफिज सईद जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए आतंकी समूहों को फंडिंग करता है।

ग्रीन कार्ड का सपना देख रहे भारतीयों को बड़ा झटका, ईबी-2 भारत का कोटा अस्थायी रूप से क्यों बंद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में स्थायी निवास यानी ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों और उच्च कुशल कामगारों के लिए बड़ा झटका है। ईबी-2 भारत का ग्रीन कार्ड कोटा वित्त वर्ष खत्म होने के कारण अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इससे अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया रुक गई है। लंबित आवेदनों पर कागजी काम जारी रहेगा, लेकिन क्या नए वित्त वर्ष में भारतीयों को फिर राहत मिलेगी?

अमेरिका में ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीय आईटी पेशेवरों और दूसरे उच्च कुशल कामगारों के लिए परेशानी बढ़ गई है। इनमें एच-1बी वीजा पर अमेरिका में काम कर रहे भारतीय पेशेवर भी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ईबी-2 भारत श्रेणी का ग्रीन कार्ड कोटा अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। यह रोक 30 सितंबर को खत्म हो रहे मौजूदा वित्त वर्ष के कारण लगी है। इसका सीधा असर उन भारतीय आवेदकों पर पड़ेगा, जो अमेरिका में स्थायी निवास की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

ईबी-2 भारत का ग्रीन कार्ड कोटा क्यों हुआ बंद?

ईबी-2 श्रेणी में एडवांस्ड डिग्री रखने वाले या असाधारण योग्यता वाले पेशेवर शामिल होते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा वित्त वर्ष का कोटा खत्म होने की वजह से ईबी-2 भारत के लिए नए आप्रवासी वीजा नंबर फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। इसका मतलब है कि भारतीय आवेदकों के लिए अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया रुक गई है। भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बड़ी संख्या में कुशल भारतीय कर्मचारी एच-1बी वीजा के जरिए अमेरिका में काम करते हैं और लंबे समय से ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया में हैं।

भारतीय आवेदकों को पहले कैसे मिल जाती थी राहत?

भारतीय आवेदकों को पहले दूसरे देशों के इस्तेमाल नहीं हुए वीजा नंबरों से कुछ राहत मिल जाती थी। अमेरिकी आव्रजन कानून फर्म डब्ल्यूआर इमिग्रेशन के अनुसार, दूसरे देशों के बचे हुए वीजा नंबर छनकर ईबी-2 और ईबी-3 भारत श्रेणी में पहुंच जाते थे। इससे भारतीय आवेदकों के लिए उपलब्धता कुछ बेहतर हो जाती थी। लेकिन अब यह व्यवस्था पहले की तरह राहत नहीं दे रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे भारतीय आवेदकों के लिए उपलब्ध जगह और सीमित हो रही है।

क्या लंबित आवेदनों पर भी पूरी तरह रोक लग गई है: फिलहाल ऐसा नहीं है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा यानी यूएससीआईएस में पहले से लंबित आवेदनों की कागजी प्रक्रिया जारी रह सकती है। लेकिन इन आवेदनों को अंतिम मंजूरी देने के लिए वीजा नंबर उपलब्ध होना जरूरी है। मौजूदा कोटा खत्म होने के कारण अंतिम वीजा नंबर अभी आवंटित नहीं किया जा सकता। नया कोटा जारी होने के बाद ही इन मामलों में अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

इस रोक के बाद भारतीय आवेदकों की चिंता इसलिए बढ़ी है क्योंकि विशेषज्ञों ने आगामी वित्त वर्ष में भी ईबी-2 और ईबी-3 भारत श्रेणियों में सीमित उपलब्धता की चेतावनी दी है। इसका मतलब है कि ग्रीन कार्ड के लिए इंतजार कर रहे भारतीय उच्च कुशल कामगारों को आगे भी लंबी प्रतीक्षा का सामना करना पड़ सकता है। खासकर उन लोगों के लिए यह स्थिति महत्वपूर्ण है, जो एच-1बी वीजा पर अमेरिका में रहकर स्थायी निवास की प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश कर रहे हैं।

तपती गर्मी से राहत का जापानी जुगाड़

एसी जैकेट से यूवी छाते तक ये तकनीकें कैसे बदलेंगी गर्मी से बचने का तरीका

टोक्यो, एजेंसी। पूर्वी एशिया में गर्मी बढ़ने के साथ जापान में लोग इससे बचने के लिए तकनीक और पारंपरिक उपायों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आम पंखे से लेकर खास तरह की जैकेट और ठंडे बूथ तक बाजार में मौजूद हैं। पंखे वाली जैकेट शरीर के आसपास हवा पहुंचाकर पसीना जल्दी सुखाती है, जबकि कुछ छोटे पंखों में लगी विशेष धातु की प्लेट विद्युत प्रवाह के जरिए ठंडक पैदा करती है। तेज धूप से बचने के लिए यूवी रोधी छाते और पंखे वाली सौर टोपियां भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही हैं।एसी जैकेट में छोटे पंखे लगाए जाते हैं। ये पंखे बाहर की हवा को जैकेट के अंदर खींचते हैं और शरीर के आसपास हवा का प्रवाह बनाए रखते हैं। इससे पसीना तेजी से सूखता है और शरीर का तापमान बढ़ने से रोकने में मदद मिलती है। गर्मी में बाहर काम करने वाले लोगों के लिए ऐसी जैकेट राहत का साधन बन रही हैं। इसका उद्देश्य कमरे की तरह पूरे शरीर को ठंडा करना नहीं, बल्कि शरीर के आसपास लगातार हवा पहुंचाकर गर्मी का असर कम करना है। जापान में गर्मी से बचने के लिए तकनीक आधारित दूसरे विकल्प भी इस्तेमाल हो रहे हैं। छोटे सेमीकंडक्टर पंखों में लगी विशेष धातु की प्लेट विद्युत प्रवाह से ठंडक पैदा करती है। इससे केवल हवा चलाने के बजाय ठंडक का एहसास भी कराया जाता है। इसके अलावा इंसान के आकार के रेफ्रिजरेटेड बूथ भी इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इन्हें निर्माण स्थलों और राहत केंद्रों में लगाया जा रहा है, ताकि तेज गर्मी के बीच लोग कुछ समय ठंडे वातावरण में रह सकें।

बचपन में अलग हुईं, फिर दोस्ती हुई और 40 साल पता खुला राज, डीएनए रिपोर्ट ने बदली दोनों की जिंदगी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत में शिशु अवस्था में अलग-अलग अनाथालयों में छोड़ी गईं दो बच्चियां करीब 40 साल तक अपनी-अपनी जिंदगी जीती रहीं। दोनों को नीदरलैंड के अलग-अलग परिवारों ने गोद लिया और दोनों की परवरिश एक-दूसरे से थोड़ी दूरी पर हुई। उन्हें पता ही नहीं था कि उनके जीवन में एक ऐसी बहन भी है, जिससे उनकी मुलाकात किशोरावस्था में हो चुकी है। वर्षों बाद डीएनए जांच ने उनकी पुरानी दोस्ती के पीछे छिपा रिश्ता सामने ला दिया। कहानी में सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि मीना और मीनल पहली बार किशोरावस्था में 1996 में एक गोद लिए गए बच्चों की सभा में मिली थीं। उस समय दोनों करीब 100 मील की दूरी पर रहती थीं। पहली मुलाकात में ही दोनों के बीच असामान्य रूप से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। दोस्तों ने भी दोनों के चेहरे और शक्ल-सूरत में समानता देखी। दोनों ने एक-दूसरे के पते लिए और मजाक में पत्रों में एक-दूसरे को 'बहन' कहकर बुलाने लगीं। इसके बाद करीब 15 साल तक दोनों का संपर्क नहीं रहा। अप्रैल में मीनल ने माईहेरिटेज डीएनए जांच कराई।

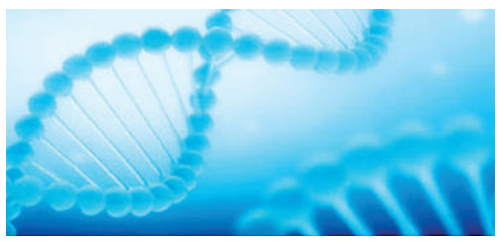

फोन पर जब जांच का नतीजा आया तो उसमें मीना का नाम बहन के रूप में दिखाई दिया। डीएनए में 100 फीसदी का दुर्लभ मिलान सामने आया। मीनल ने बताया कि वह उस समय अपने घर के सोफे पर बैठी थीं, जब फोन पर नतीजे का संदेश आया। उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि जिस लड़की से वह किशोरावस्था में मिली थीं, वही उनकी सगी बहन है।

बचपन में दोनों को यह जानकारी नहीं थी कि उनकी कोई बहन है। मीनल ने बताया कि वह अपने डच माता-पिता और भाई-बहनों के साथ प्यार से पली-बढ़ीं, लेकिन उनके भीतर एक गहरी अकेलेपन की भावना भी थी। दूसरी ओर, मीना भी लंबे समय से अपने भीतर एक खालीपन महसूस करती थीं। जब डीएनए जांच से रिश्ता सामने आया तो उन्हें लगा जैसे जिंदगी का कोई खोया हुआ हिस्सा वापस मिल गया हो। डीएनए रिपोर्ट आने के बाद मीनल को पहले यह समझ नहीं आया कि मीना वही लड़की है, जिससे वह करीब 30 साल पहले मिली थीं। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर मीना को खोजा और उसकी तस्वीरें देखीं। तस्वीरों को देखने के बाद उन्हें यकीन हो गया कि डीएनए रिपोर्ट में जिस बहन की बात सामने आई है, वह वही पुरानी दोस्त है। मीनल ने कहा कि वे बहन बनने से पहले दोस्त थीं और असल में वे पूरी जिंदगी बहनें ही थीं, बस उन्हें इसका पता नहीं था। रिश्ता सामने आने के बाद दोनों बहनों ने नीदरलैंड में भावुक मुलाकात की। इस दौरान आंसू, गले मिलना और हंसी एक साथ दिखाई दी।

भारतीय बैंकों में जमा राशि रिकॉर्ड स्तर पर, तीन पखवाड़े में 115 अरब डॉलर बढ़ी

मुंबई ।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में जमा राशि हाल ही में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। यह उछाल मुख्य रूप से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की फॉरेन-करेंसी नॉन-रेसिडेंट (एफसीएनआर) स्कीम के तहत प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) से भारी डॉलर प्रवाह के कारण देखा गया है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 31 जुलाई तक के तीन पखवाड़ों में बैंकिंग सिस्टम में जमा राशि में कुल 11 ट्रिलियन रुपए (लगभग 115.25 बिलियन डॉलर) की रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह वृद्धि 1 अप्रैल से 15 जून के बीच हुई 3.87 ट्रिलियन रुपए की शुद्ध कमी को उलट देती है। वर्तमान में, भारतीय बैंकों में कुल जमा राशि रिकॉर्ड 269.4 ट्रिलियन रुपए पर पहुंच गई है। जून में आरबीआई ने एनआरआई जमा आकर्षित करने और ऋणदाताओं व सरकारी कंपनियों के लिए सस्ते डॉलर फंड जुटाने के लिए एक डिस्काउंटेड स्वैप विंडो की घोषणा की थी। जुलाई के अंत तक, इन स्कीमों के माध्यम से लगभग 41 बिलियन डॉलर का प्रवाह हुआ। एक सरकारी बैंक के ट्रेडर के अनुसार, डॉलर को रुपए में बदलने की तेज प्रक्रिया इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण है।

एयरटेल ने बंद किए सस्ते प्लान, अब ₹349 का सबसे सस्ता प्लान

नई दिल्ली।

भारती एयरटेल ने अपने प्रीपेड प्लान पोर्टफोलियो में बदलाव करते हुए ₹299 समेत चार रिचार्ज प्लान बंद कर दिए हैं। कंपनी ने ₹299, ₹579, ₹619 और ₹649 वाले प्लान 12 अगस्त से हटा दिए हैं । अब 28 दिन की वैधता वाला ₹349 प्लान सबसे सस्ता है. इसमें डेली-डेटा और अनलिमिटेड कॉलिंग प्लान की सुविधा है।

₹349 के प्लान में प्रतिदिन 2त्नक्क हाई-स्पीड डेटा, अनलिमिटेड लोकल-एसटीडी कॉलिंग और 100 एसएमएस प्रतिदिन मिलते हैं। पुराने ₹299 प्लान में 1.5त्नक्क दैनिक डेटा मिलता था। यानी समान अवधि के लिए ग्राहकों को अब ₹50 अधिक खर्च करने होंगे। हालांकि कंपनी ने इसे टैरिफ बढ़ोतरी नहीं है. सस्ते कम कीमत के प्लान हटाने से ग्राहकों के लिए सस्ते विकल्प के अवसर एयरटेल में सीमित हो गए हैं।

स्वतंत्र माइक्रोफिन 3,000 करोड़ के आईपीओ के लिए तैयार

सेबी के पास दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली ।

उद्यमी अनन्या बिड़ला के नेतृत्व वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबलीएफसी-एफआई) माइक्रोफिन लिमिटेड ने 3,000 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष प्राथमिक दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। कंपनी द्वारा सेबी के पास जमा किए गए दस्तावेजों के अनुसार, यह आईपीओ 1,500 करोड़ रुपए तक के नए शेयर और 1,500 करोड़ रुपए तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयरों के निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग स्वतंत्र माइक्रोफिन अपने टियर-ढ्ढ पूंजी आधार को मजबूत करने, भविष्य की वृद्धि को वित्तपोषित करने तथा आगे ऋण देने की क्षमता बढ़ाने के लिए करेगी। अनन्या बिड़ला इस वित्तीय समावेशन-केंद्रित कंपनी की चेयरपर्सन और गैर-कार्यकारी निदेशक हैं। स्वतंत्र माइक्रोफिन ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को बिना गारंटी वाले छोटे कर्ज और वित्तीय सेवाएं प्रदान कर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देती है।

लीप इंडिया का शेयर बाजार में निर्गम मूल्य से 4 फीसदी ऊपर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । लीप इंडिया लिमिटेड के शेयर ने शुक्रवार को शेयर बाजारों में अपने निवेशकों को शानदार आगाज दिया। आपूर्ति श्रृंखला परिसंपत्तियां साझा करने वाली इस कंपनी के शेयर निर्गम मूल्य से 4 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुए, जो आईपीओ को मिले मजबूत अभिदान का परिणाम है। बीएसई पर लीप इंडिया का शेयर 166 रुपये पर खुला, जो इसके निर्गम मूल्य 159 रुपये से 4.40 प्रतिशत अधिक था। इसी तरह, एनएसई पर यह 4.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 165.90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इस मजबूत शुरुआत के साथ, कंपनी का बाजार पूंजीकरण 6,530.95 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी के 2,480 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन 8.38 गुना अभिदान मिला था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 70 अंक, निफ्टी 30 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 70 अंक नीचे आकर 78,009.25 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक टूटकर 24,366.00 पर बंद हुआ। बाजार में आई इस गिरावट के पीछे निवेशकों की मुनाफावसूली को भी एक बड़ा कारण माना गया है। इसके अलावा वैश्विक अनिश्चितताओं, खासकर अमेरिका की ओर से नौसैनिक नाकाबंदी की धमकी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता के बीच भी बाजार में बिकवाली हावी रही जिससे भी वह गिरा। आज कारोबार के दौरान अपोलो हॉस्पिटल्स, भारती एयरटेल, अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स और विप्रो के शेयरों में तेजी रही जबकि टाटा मोटर्स, जियो फाइनेंशियल, ओएनजीसी, एशियन पेंट्स और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई)के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। आज केवल मीडिया सेक्टर से जुड़ी कंपनियां ही बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुईं। इसके अलावा फार्मा, सरकारी बैंक, एफएमसीजी और ऑटो जैसे अन्य सभी प्रमुख विभागों में गिरावट रही। व्यापक बाजार में भी हल्का दबाव देखा गया, जहां निफ्टी मिडकैप 0.17 फीसदी और निफ्टी स्मालकैप 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी मेटल सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाले सेक्टरों में रहा, वहीं निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल ने बाजार के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया। वैश्विक संकेतों और भू-राजनीतिक तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार शुरुआती कारोबार में दबाव में दिखा। वैश्विक अनिश्चितताओं, खासकर अमेरिका की ओर से नौसैनिक नाकाबंदी की धमकी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता के बीच बाजार में बिकवाली हावी रही।

जुलाई में भारत का खाद्य तेल आयात 8 फीसदी गिरा

रिफाइंड तल का आयात घटा, कच्चे तेल की हिस्सेदारी 96 फीसदी तक पहुंची

नई दिल्ली ।

भारत का खाद्य तेल आयात जुलाई महीने में 8 प्रतिशत घटकर 14.81 लाख टन रह गया, जो पिछले साल इसी महीने में 16.16 लाख टन था। उद्योग निकाय सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) द्वारा बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। एसईए के अनुसार जुलाई 2026 में भारत का कुल वनस्पति तेल (खाद्य और अखाद्य) आयात भी सालाना आधार पर 7 प्रतिशत घटकर 15.25 लाख टन दर्ज किया गया, जबकि पिछले साल यह 16.48 लाख टन था। हालांकि, तेल वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों (नवंबर 2025 से जुलाई 2026) में, वनस्पति तेल का कुल आयात 121.50 लाख टन रहा, जो पिछले विपणन वर्ष की समान अवधि के 116.03 लाख टन से अधिक है। इसी अवधि में, खाद्य तेल का कुल आयात भी 5 प्रतिशत बढ़कर 119.23 लाख टन हो गया, जबकि पिछले तेल वर्ष की समान अवधि में यह 113.46 लाख टन था। आयात की प्रवृत्ति में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है, जहां परिष्कृत तेल का अनुपात 14 प्रतिशत से घटकर मात्र 4 प्रतिशत रह गया है।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

मुनाफावसूली से सोना 1,117 रुपए टूटा, चांदी भी 1,861 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों में ठहराव आने से निवेशकों में सतर्कता बढ़ी, जिसके चलते कीमती धातुओं में मुनाफावसूली देखी गई। हालांकि, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना कमजोर बने रहने से आगे चलकर इन धातुओं के लिए सकारात्मक रुझान बरकरार रहने की उम्मीद है। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर, सोना 4,370 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव 4,420.40 डॉलर से 48.10 डॉलर की गिरावट दर्शाता है। चांदी भी 0.86 डॉलर की गिरावट के साथ 64.13 डॉलर प्रति औंस पर आ गई, जो पिछले बंद भाव 64.99 डॉलर था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सुबह से ही सुस्ती का माहौल रहा और दिनभर गिरावट जारी रही। घरेलू मार्केट एमसीएक्स पर भी यही रुख देखा गया। सोने का अक्टूबर वायदा अनुबंध 1,117 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,349 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,54,882 रुपये था। यह 266 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,200 रुपये पर खुला था। इसी प्रकार चांदी का सितंबर वायदा अनुबंध 1,861 रुपये की गिरावट के साथ 2,33,586 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,35,447 रुपये था। चांदी की शुरुआत 1,667 रुपये की गिरावट के साथ 2,33,780 रुपये पर हुई थी। दोनों धातुओं के वायदा भाव दिनभर दबाव में रहे, जिससे निवेशकों ने सतर्कता बरतते हुए मुनाफावसूली की।

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई राहत नहीं

तेल कंपनियों ने नहीं किया कोई बदलाव, कई शहरों में 110 के पार पहुंचा पेट्रोल

नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त से ठीक एक दिन पहले देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है। तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने ईंधन दरों में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है, जिससे उपभोक्ताओं को न तो तत्काल राहत मिली है और न ही नई बढ़ोतरी का सामना करना पड़ा है। यह स्थिति पिछले कई महीनों से कायम है, जब आखिरी बार कीमतों में मामूली वृद्धि देखी गई थी। शुक्रवार को भी देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। वहीं आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल की कीमत 111.21 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। देश के अन्य प्रमुख शहरों जैसे बेंगलुरु, हैदराबाद और कोलकाता में भी पेट्रोल के दाम 110 रुपये प्रति लीटर से ऊपर दर्ज किए गए। हैदराबाद में डीजल भी 103.82 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। दरों की बात करें तो भोपाल में पेट्रोल 114.54 रुपये प्रति लीटर के साथ सबसे महंगा रहा, जबकि कोलकाता में यह 113.51 रुपये और पटना में 113.37 रुपये दर्ज किया गया। जयपुर में पेट्रोल 112.66 रुपये और चेन्नई में 107.74 रुपये प्रति लीटर बिका। हालांकि, सूरत में पेट्रोल 95.00 रुपये और डीजल 89.00 रुपये प्रति लीटर पर रहा, जो सूचीबद्ध शहरों में सबसे कम कीमतों में से एक है। पुणे में पेट्रोल 104.04 रुपये और डीजल 90.57 रुपये प्रति लीटर दर्ज किया गया। कुल मिलाकर, स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव न होने से मौजूदा स्तरों पर स्थिरता बनी हुई है, लेकिन कई शहरों में उच्च कीमतें अभी भी चिंता का विषय हैं।

एंकर निवेशकों की समय पूर्व निकासी से आईपीओ कीमतों पर दबाव- सेबी

एफपीआई रहे बड़े बिकवाल, 30 दिन की लॉक-इन अवधि खत्म होने पर दिखा असर

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के एक अध्ययन ने खुलासा किया है कि प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) में एंकर निवेशकों की बिकवाली, खासकर 30 दिन की लॉक-इन अवधि समाप्त होने के आसपास, सूचीबद्ध कंपनियों की कीमतों पर महत्वपूर्ण दबाव डालती है। अध्ययन में पाया गया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) इस अवधि में सबसे बड़े बिकवाल रहे, जिससे बाजार में अस्थायी आपूर्ति दबाव बना। सेबी ने अप्रैल 2022 से अक्टूबर 2025 के बीच सूचीबद्ध हुए 242 मेनबोर्ड आईपीओ के विश्लेषण में पाया कि जहां एंकर निवेशकों ने अपनी 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बेची, वहां टी प्लस 29 से टी प्लस 33 के दौरान कीमतों में औसतन 3.5 प्रतिशत और मध्यिका के आधार पर लगभग छह प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। मौजूदा नियमों के तहत एंकर निवेशकों को आवंटित 50 प्रतिशत शेयरों पर 30 दिन और शेष 50 प्रतिशत पर 90 दिन की लॉक-इन अवधि होती है। इस उच्च बिकवाली तीव्रता वाली श्रेणी में एफपीआई ने अपने बड़े आवंटन का औसतन 24.5 प्रतिशत हिस्सा बेचा, जो कॉरपोरेट (23.1 प्रतिशत) और अन्य योग्य संस्थागत खरीदारों (21.6 प्रतिशत) से अधिक था। हालांकि, 90 दिन की लॉक-इन अवधि पूरी होने के बाद यह दबाव काफी हद तक कम हो जाता है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि एंकर निवेशकों की बिकवाली निर्धारित लॉक-इन अवधि से आगे तक जारी रहती है। कुल भारित निकासी टी प्लस 30 पर 3.5 प्रतिशत से बढ़कर टी प्लस 365 तक 50.7 प्रतिशत हो गई, जिससे पता चलता है कि एक साल के भीतर लगभग आधा एंकर आवंटन बेच दिया जाता है। मूल्य के लिहाज से, एफपीआई ने टी प्लस 365 तक करीब 22,474 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि उनका कुल एंकर आवंटन 37,491 करोड़ रुपये था। इसके अतिरिक्त, छोटे आईपीओ (0-250 करोड़ रुपये) में बिकवाली की तीव्रता अधिक रही, जहां टी+365 तक 72.5 प्रतिशत निकासी दर्ज की गई, जबकि 1,001-2,500 करोड़ रुपये के निर्गम आकार वाले आईपीओ में यह 40.8 प्रतिशत थी।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 7 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.52 पर बंद हुआ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.39 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 के स्तर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की मामूली बढ़त है। रुपया गुरुवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ 95.45 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.78 पर रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार से विदेशी पूंजी की निकासी और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण रुपये पर दबाव बना रहा।

भारत की अमेरिका से 2027 तक 15 फीसदी एलपीजी गैस खरीदने की तैयारी

पश्चिमी एशिया पर निर्भरता कम करने और आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने पर जोर

नई दिल्ली ।

भारत अपनी तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आपूर्ति को पूरी तरह सुरक्षित करने की दिशा में बड़ा कदम उठा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े एलपीजी उपभोक्ता के रूप में भारत ने 2027 के वार्षिक अनुबंधों के तहत अमेरिका से अधिक लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस खरीदने के लिए बातचीत शुरू की है। इसका उद्देश्य अपने आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाना और पश्चिम एशिया पर अपनी वर्तमान निर्भरता को कम करना है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन जैसे राज्य-स्वामित्व वाले रिफाइनरों को 2027 तक भारत के कुल एलपीजी आयात का कम से कम 15 फीसदी अमेरिकी कंपनियों के साथ टर्म कॉन्ट्रैक्ट के जरिये हासिल करने का निर्देश दिया है। इस साल भारत ने 22 लाख टन का पहला अमेरिकी टर्म सप्लाई अनुबंध किया था, जो उसके कुल आयात का 10 फीसदी था। तीनों रिफाइनरों के अधिकारी इस समय अमेरिका में आपूर्ति सौदों पर बातचीत कर रहे हैं। एक ओर, यह भारत के आपूर्ति विकल्पों का विस्तार करेगा और पश्चिम एशिया में संभावित व्यवधानों के जोखिम को कम करेगा। दूसरी ओर, यह अमेरिका के साथ भारत के व्यापार अधिशेष को कम करने में भी मदद करेगा, जो नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच लंबित व्यापार समझौते के लिए महत्वपूर्ण है। हॉरमुज स्ट्रेट पर तनाव और अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध के कारण भारत के एलपीजी आपूर्ति दृष्टिकोण पर लगातार दबाव बना हुआ है। पिछले महीने एलपीजी की खपत में 16 फीसदी से अधिक की गिरावट आई, जिससे घरों और उद्योगों को वैकल्पिक ईंधन की ओर स्विच करना पड़ा। अमेरिका पहले ही भारत का शीर्ष एलपीजी सप्लायर बन चुका है, इस साल अगस्त तक शिपमेंट रिकॉर्ड 39 लाख टन तक पहुंच गया था।

माल्या-एसबीआई विवाद खत्म करें, देश की अर्थव्यवस्था हो रही प्रभा वित- बॉम्बे हाईकोर्ट

एक दशक पुराने वाणिज्यिक विवाद को तार्किक अंत तक पहुंचाने पर जोर

मुंबई ।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या और बैंकों के बीच एक दशक से चल रहे वाणिज्यिक विवाद को अब खत्म करने की बात कही है। कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच की मौजूदा स्थिति और अटैच की गई संपत्तियों का ब्योरा मांगा है। कोर्ट का मानना है कि इस विवाद का देश की अर्थव्यवस्था पर सीधा और नकारात्मक असर पड़ रहा है। जस्टिस मिलिंद जाधव की सिंगल जज बेंच ने माल्या की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर दोनों पक्ष इस विवाद को खत्म नहीं करते हैं, तो इसका देश की अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ेगा।

कोर्ट ने जोर दिया कि एक दशक से चल रहे इस मामले को अब एक तार्किक अंत तक पहुंचना चाहिए। माल्या ने 2020 में पीएमएलए कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें बैंकों को ईडी द्वारा अटैच की गई उसकी संपत्तियों का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी।

माल्या पर बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के लिए बैंकों से लिए गए लगभग 9,000 करोड़ रुपए के लोन को डिफॉल्ट करने का आरोप है।

वह मार्च 2016 में यूके भाग गया था और 2019 में भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया। कोर्ट ने पहले भी साफ किया था कि जब तक माल्या भारत लौटकर सरेंडर नहीं करता, तब तक उसकी याचिका पर विचार नहीं किया जाएगा। माल्या ने इंग्लैंड की अदालतों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का हवाला देते हुए कहा है कि वह फिलहाल यह नहीं बता सकता कि भारत कब लौटेगा। उसके वकील ने हालांकि, याचिकाकर्ता की अनुपस्थिति में भी सुनवाई का आग्रह किया है।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का मुनाफा 80 फीसदी गिरा

पुर्जों की कमी, सप्लायर और जेएलआर के कमजोर प्रदर्शन ने बिगाड़ा खेल

मुंबई।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारी झटका लगा है। कंपनी का मुनाफा 80 फीसदी से ज्यादा घटकर 775 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 3,924 करोड़ रुपए था। यह भारी गिरावट स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति में बाधाओं और प्रीमियम ब्रांड जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) के कमजोर प्रदर्शन के कारण हुई है। अप्रैल-जून तिमाही में टाटा मोटर्स का मुनाफा 3,924 करोड़ रुपए से घटकर महज 775 करोड़ रुपए रह गया, यानी 80 फीसदी से अधिक की गिरावट। कंपनी के लिए यह झटका स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति में रुकावटों, एक बड़े कंपोनेंट सप्लायर के यहां लगी आग और मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष जैसी कई चुनौतियों के कारण लगा। इसके अतिरिक्त, कुछ जगुआर मॉडल्स का उत्पादन बंद होने से भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा। हालांकि, इस अवधि में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 9 फीसदी बढ़कर 95,799 करोड़ रुपए रहा। मुनाफे में गिरावट के बावजूद रेवेन्यू में वृद्धि बताती है कि कंपनी के प्रोडक्ट्स की मांग बनी हुई है, लेकिन परिचालन संबंधी चुनौतियां हावी रहीं। कंपनी का ए बिटा मार्जिन 130 बेसिस पॉइंट्स घटकर 7.4 फीसदी पर आ गया, साथ ही 32 करोड़ रुपए का एक्सेप्शनल लॉस भी दर्ज किया गया। प्रीमियम सब्सिडियरी जगुआर लैंड रोवर का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा।

जेएलआर का मुनाफा 73 फीसदी गिरकर 66 बिलियन डॉलर पर आ गया, जबकि रेवेन्यू में भी 9 फीसदी की कमी आई। जेएलआर के खराब प्रदर्शन के पीछे भी सप्लायर के यहां आग, मिडिल ईस्ट संघर्ष और कुछ जगुआर मॉडल्स का उत्पादन बंद होना प्रमुख कारण रहे।

जुलाई में थोक मुद्रास्फीति में मामूली गिरावट, 9.78 फीसदी पर पहुंची

ईंधन-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी ने दी राहत

नई दिल्ली ।

महंगाई मोर्चे पर आंशिक राहत देते हुए थोक मुद्रास्फीति जुलाई में मामूली रूप से घटकर 9.78 प्रतिशत पर आ गई है। जून में यह 9.87 प्रतिशत दर्ज की गई थी। सरकार के नए आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़ों के तहत यह पहली मासिक गिरावट है, जो मुख्य रूप से ईंधन, बिजली और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी के कारण संभव हुई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार ईंधन और बिजली क्षेत्र में थोक मुद्रास्फीति जुलाई में घटकर 20.05 प्रतिशत रह गई, जो जून में 27.41 प्रतिशत थी। इसी तरह खाद्य वस्तुओं की महंगाई भी जुलाई में 5.49 प्रतिशत से घटकर 5.44 प्रतिशत पर आ गई। इन प्रमुख क्षेत्रों में कीमतों में आई नरमी ने समग्र थोक मुद्रास्फीति को नीचे लाने में मदद की है। हालांकि, विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति जुलाई में बढ़कर 8.29 प्रतिशत हो गई, जो जून में 7.48 प्रतिशत थी, जिससे पूरी तरह से राहत नहीं मिल पाई। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध के कारण वैश्विक कच्चे तेल तथा उर्वरकों की लागत में वृद्धि का असर अभी भी अर्थव्यवस्था पर बना हुआ है, जिसने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत से थोक महंगाई को लगातार बढ़ाया था। यह राहत उस समय आई है जब खुदरा मुद्रास्फीति खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण जुलाई में बढ़कर 4.45 प्रतिशत हो गई है, जो जून में 4.38 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने इस महीने की शुरुआत में नीतिगत दरों को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। आरबीआई ने अल नीनो की स्थिति और कमजोर मानसून का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान पांच प्रतिशत रखा है, जो भविष्य की चुनौतियों का संकेत देता है।

विश्व विजयी तिरंगा प्यारा...

आजादी कहें या स्वतंत्रता ये ऐसा शब्द है जिसमें पूरा आसमान समाया है। आजादी एक स्वाभाविक भाव है या यूँ कहें कि आजादी की चाहत मनुष्य को ही नहीं जीव-जन्तु और वनस्पतियों में भी होती है। सदियों से भारत अंग्रेजों की दासता में था, उनके अत्याचार से जन-जन त्रस्त था। खुली फिजा में सांस लेने को बेचैन भारत में आजादी का पहला बिगुल 1857 में बजा किन्तु कुछ कारणों से हम गुलामी के बंधन से मुक्त नहीं हो सके। वास्तव में आजादी का संघर्ष तब अधिक हो गया जब बाल गंगाधर तिलक ने कहा कि स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

झंडा ऊँचा रहे हमारा, विश्व विजयी तिरंगा प्यारा..

यह गीत भारत का हर बच्चा गुनगुनाता है.. बड़े ही शान से। आखिर क्या बात है इस ध्वज में जिसने आज़ादी के परवानों में एक नया जोश भर दिया था और जो आज भी हर भारतीय को अपने गरिमामय इतिहास की याद दिलाता है और विभिन्नता में एकता वाले इस देश को एक सूत्र में बाँधे हुए है। हर स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर लाल क़िले की प्राचीर पर राष्ट्रीय ध्वज को बड़े ही आदर और सम्मान के साथ फहराया जाता है। देश के प्रथम नागरिक से लेकर आम नागरिक तक इसे सलामी देता है। 21 तोपों की सलामी से सेना इसका सम्मान करती है। किसी भी देश का झंडा उस देश की पहचान होता है। तिरंगा हम भारतीयों की पहचान है। राष्ट्रीय झंडे ने पहली बार आज़ादी की घोषणा के कुछ ही दिन पहले 22 जुलाई 1947 को पहली बार अपना वो रंग रूप पाया जो आज तक कायम है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज तीन रंगों से बना है इसलिए हम इसे तिरंगा भी कहते हैं। सबसे ऊपर केसरिया रंग फिर सफ़ेद और सबसे नीचे हरा। बीच में गहरे नीले रंग का चक्र बना है जिसमें 24 चक्र हैं जिसे हम अशोक चक्र के नाम से जानते हैं। इस प्रतीक को सारनाथ में अशोक महान के स्तंभ से लिया गया है। तिरंगे की बनावट पर हमारे देश में काफ़ी ध्यान दिया जाता है क्यों कि ये हमारे सम्मान से जुड़ा हुआ है। हर तिरंगे में अशोक चक्र श्वेत रंग के तीन चौथाई भाग में ही होना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज खादी के कपड़े का होना चाहिए। आज जो ध्वज हमारे देश की पहचान है उसे इस रूप में ढालने वाले थे पिंगली वेंकैया।

तिरंगे में इन रंगों की क्या महत्ता है ये जानना बहुत ज़रूरी है। केसरिया यानी भगवा रंग वैराग्य का रंग है। हमारे आज़ादी के दीवानों ने इस रंग को सबसे पहले अपने ध्वज में इसलिए सम्मिलित किया जिससे आने वाले दिनों में देश के नेता अपना लाभ छोड़ कर देश के विकास में खुद को समर्पित कर दें। जैसे भक्ति में साधु वैराग ले मोह माया से हट भक्ति का मार्ग अपनाते हैं। श्वेत रंग प्रकाश और शांति के प्रतीक के रूप में लिया गया। हरा रंग प्रकृति से संबंध और संपन्नता दर्शाता है, और केंद्र में स्थित अशोक चक्र धर्म के 24 नियमों की याद दिलाता है।

राष्ट्र और मातृभूमि की रक्षा के लिये गंभीर प्रयास करने होंगे

देश में एक बार फिर स्वतंत्रता दिवस या आजादी के दिन के अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। देश में बढ़ते भ्रष्टाचार, अराजकता, बेरोजगारी, भूखमरी, बेरोजगारी, अस्वास्थ्य की स्थित और गरीबी की वजह से अनेक लोगों के लिये 15 अगस्त की आजादी एक भूली बिसरी घटना हो गयी है। आजादी को अब 78 वर्ष हो गये हैं और इसका मतलब यह है कि कम से हर परिवार की पांच से सात पीढ़ियों ने इस दौरान इस देश में सांस ली होगी। हम देखते हैं कि पीढ़ी दर पीढ़ी एतिहासिक घटनाओं की स्मृतियां फीकी पड़ती जाती हैं। एक समय तो उनको एक तरह विस्मृत कर दिया जाता है। अगर 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस और और 26 जनवरी गणतंत्र दिवस हर वर्ष औपचारिक रूप से पूरे देश में न मनाया जाये तो शायद हम इन तारीखों को भूल चुके होते। वैसे निरंतर औपचारिक रूप से मनाये जाने के बाद भी कुछ वर्षों बाद एक दिन यह स्थिति आयेगी कि इसे याद रखने वालों की संख्या कम होगी या फिर इसे लोग औपचारिक मानकर इसमें अरुचि दिखायेंगे।

ऐतिहासिक स्मृतियों की आयु कम होने का कारण यह है कि इस संसार में मनुष्य की विषयों में लिप्तता इस कदर रहती है कि उसमें सक्रियता का संचार नित नयी एतिहासिक घटनाओं का सृजन करता है। मनुष्य जाति की इसी सक्रियता के कारण ही जहां इतिहास दर इतिहास बनता है वही उनको विस्मृत भी कर दिया जाता है। हर पीढ़ी उन्हीं घटनाओं से प्रभावित होती है जो उसके सामने होती हैं। वह पुरानी घटनाओं को अपनी पुरानी पीढ़ी से कम ही याद रखती है। इसके विपरीत जिन घटनाओं का अध्यात्मिक महत्व होता है उनको सदियों तक गाया जाता है। हम अपने अध्यात्मिक स्वरूपों में भगवत् स्वरूप की अनुभूति करते हैं इसलिये ही भगवान श्री विष्णु, श्री ब्रह्मा, श्री शिव, श्री राम, श्री कृष्ण तथा अन्य स्वरूपों की गाथायें इतनी दृढ़ता से हमारे जनमानस में बसी हैं कि अनेक एतिहासिक घटनायें उनका विस्मरित नहीं करा पातीं। हिन्दी के स्वर्णिम काल में संत कबीर, मानस हंस तुलसी, कविवर रहीम, और भक्तमणि मीरा ने हमारे जनमानस को आंदोलित किया तो उनकी जगह भी ऐसी बनी है कि वह हमारे इतिहास में भक्त स्वरूप हो गये और उनकी श्रेणी भगवान से कम नहीं बनी। हम इन महामनीषियों के संबंध में श्रीमद्भागवत गीता में वर्णित इस संदेश का उल्लेख कर सकते हैं जिसमें भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि 'जैसे भक्त मुझकों भजते हैं वैसे ही मैं उनको भजता हूं'। अनेक विद्वान तो यह भी भी कहते हैं कि भक्त अपनी तपस्या और सृजन से भगवान की अपेक्षा बढ़े हो जाते हैं। ऐसा नहीं है कि भारतीय अध्यात्मिक दर्शन राष्ट्र या मातृभूमि को महत्व नहीं देता। भगवान श्रीकृष्ण ने तो अपने मित्र श्री अर्जुन को राष्ट्रहित के लिये उसे क्षात्र धर्म अनुसार निर्वाह करने का उपदेश दिया। दरअसल क्षत्रिय कर्म का निर्वाह मनुष्य के हितों की रक्षा के लिये ही किया जाता है। यह जरूर है कि चाहे कोई भी धर्म हो या कर्म अध्यात्मिक ज्ञान होने पर ही पूर्णरूपेण उसका निर्वाह किया जा सकता है। देखा जाये तो भारत और यूनान पुराने राष्ट्र माने जाते हैं। भारतीय इतिहास के अनुसार एक समय यहां के राजाओं के राज्य का विस्तार ईरान और तिब्बत तक इतना व्यापक था कि आज का भारत उनके सामने बहुत छोटा दिखाई देता है। ऐसे राजा चक्रवर्ती राजा कहलाये। यह इतिहास ही राष्ट्र के प्रति गौरव रखने का भाव अनेक लोगों में अन्य देशों के नागरिकों की राष्ट्र भक्ति दिखाने की प्रवृत्ति की अपेक्षा कम कर देता है। इसी कारण अनेक बुद्धिमान इस देश के लोगों में राष्ट्रप्रेम होने की बात कहते हैं। यह सही है कि बाद में विदेशी शासकों ने यहा आक्रमण किया और फिर उनका राज्य भी आया। मगर भारत और उसकी संस्कृति अक्षुण्ण रही। इसका अर्थ यह है कि 15 अगस्त को भारत ने केवल राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त की और कालांतर वैसे ही महत्व भी माना गया। स्वतंत्रता के बाद भारतीय अध्यात्मिक को तिरस्कृत कर पश्चिम से आये विचारों को न केवल अपनाया गया बल्कि उनको शैक्षणिक पाठ्यक्रमों से जोड़ा भी गया। हिन्दी में अनुवाद कर विदेशी विद्वानों को महान कालजयी विचारक बताया गया। इससे धीमे धीमे सांस्कृतिक विभ्रम की स्थिति बनी और अब तो यह स्थिति यह है कि अनेक नये नये विद्वान भारतीय अध्यात्मक के प्रति निरपेक्ष भाव रखना आधुनिकता समझते हैं। इसके बावजूद 78 साल के इस में इतिहास की छवि भारत के अध्यात्मिक पक्ष को विलोपित नहीं कर सकी तो इसका श्रेय उन महानुभावों को दिया जाना चाहिए जिन्होंने निष्काम से जनमानस में अपने देश के पुराने ज्ञान की धारा को प्रवाहित रखने का प्रयास किया। यही कारण है कि 15 अगस्त और 26 जनवरी को मनाने तथा भीड़ को अपने साथ बनाये रखने के लिये उनके तरह के प्रयास करने पड़ते हैं जबकि राम नवमी, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और महाशिवरात्रि पर स्वप्रेरणा से लोग उपस्थित हो जाते हैं। एक तरह से इतिहास और अध्यात्मिक धारायें प्रथक प्रथक हो गयी हैं जो कि होना नहीं चाहिए था। हमारे यहां स्वतंत्रता संग्राम में दौरान आज़ादी तथा देश भक्ति का नारा इस तरह लगा कि हमारे यहां पेशेवर अभियान संचालक लोगों की भीड़ को एकत्रित करने के लिये आज भी लगाते हैं। लोगों के राष्ट्रप्रेम की धारा इस तरह बह रही है कि आज भी स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस तथा गांधी जयंती पर भाव विभोर करने वाले गीत लोगों को लुभाते हैं। जब कोई आंदोलन या प्रदर्शन होता है तो उस समय मातृभूमि का नारा देकर लोगों को अपनी तरफ आकृष्ट करने के प्रयास होते हैं जिनसे प्रभावित होकर लोगों की भीड़ जुटती भी है। राष्ट्र और मातृभूमि की रक्षा के लिये सतत और गंभीर प्रयास करने होते हैं। अपने नागरिकों को ज्ञान और विज्ञान से परिपूर्ण करना होता है। उनका नेतृत्त करने वालों को न केवल शारीरिक रूप से सक्षम होना चाहिए बल्कि उनमें साहस भी होना चाहिए। समाज के नागरिक वर्ग के लोग आर्थिक रूप से उत्पादक, भेदभाव से रहित तथा सत्यमार्गी होना चाहिए।

आजादी का ऐतिहासिक महत्व

भारत का स्वतंत्रता दिवस ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि इस दिन हम राजनीतिक तौर पर आजाद हुए और हमने लोगों के दिल और दिमाग में राष्ट्रीयता का विचार पैदा करना शुरू किया. अगर ऐसा न होता, तो लोग अपनी जाति, समुदाय व धर्म आदि के आधार पर ही सोचते रह जाते. हालांकि, भारतीय होने का यह गौरव केवल एक भौगोलिक सीमा के ऊपर खड़ा था. भारत का असली व पूरा गौरव, इसकी सीमाओं में नहीं, बल्कि इसकी संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों तथा सार्वभौमिकता में है. तीन ओर से सागर तथा एक ओर से हिमालय पर्वत श्रृंखला से घिरा भारत, स्थिर जीवन का केंद्र बन कर सामने आया है. यहां के निवासी एक हजारों सालों से बिना किसी बड़े संघर्ष के रहते आ रहे हैं, जबकि बाकी संसार में ऐसा नहीं रहा. जब आप संघर्ष की सी स्थिति में जीते हैं, तो आपके लिए प्राणों की रक्षा ही जीवन का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य बना रहता है. जब लोग स्थिर समाज में जीते हैं, तो जीवन-रक्षा से परे जाने की इच्छा पैदा होती है. भारत में लंबे अरसे से, स्थिर समाजों का उदय हुआ और नतीजन आध्यात्मिक प्रक्रियाएं विकसित हुईं. आज आप अमेरिका में लोगों के बीच आध्यात्मिकता को जानने की तड़प को देख रहे हैं, उसका कारण यह है कि उनकी आर्थिक दशा पिछली तीन-चार पीढ़ियों से काफी स्थिर रही है. उसके बाद उनके भीतर कुछ और अधिक जानने की इच्छा बलवती हो रही है. भारत में आज से कुछ हजार साल पहले ऐसा ही घट चुका है. यह अविश्वसनीय जान पड़ता है कि हमने कितने रूपों में आध्यात्मिकता को अपनाया है. इनसान बुनियादी रूप से क्या है, इस मुद्दे पर इस धरती के किसी भी दूसरी संस्कृति ने उतनी गहराई से विचार नहीं किया, जैसा हमारे देश में किया गया. यही इस देश का मुख्य आकर्षण है कि हमें पता है कि मानव-तंत्र कैसे काम करता है, हम जानते हैं कि इसके साथ हम क्या कर सकते हैं या इसे इसकी चरम संभावना तक कैसे ले जा सकते हैं. हमें इसका इस्तेमाल करना चाहिए, क्योंकि महान मनुष्यों के निर्माण से ही तो महान देश की रचना हो सकती है. परंतु अब, लोगों को भौगोलिक सीमाओं में ही गौरव का अनुभव होने लगा है.

अशोक स्तंभ

हमारी सांस्कृतिक विरासत

हमारी सांस्कृतिक विरासत का ही एक अंग है, हमारा राष्ट्रीय चिह्न, जिसे हमने सम्राट अशोक की विरासत के रूप में प्राप्त किया है। सारनाथ में जहाँ गौतम बुद्ध ने सर्वप्रथम अपने ज्ञान के प्रकाश से संसार को आलोकित किया था, वहाँ सम्राट अशोक ने शिलालेख और यह चिह्न स्थापित किया था। यहीं से इस चिह्न को राष्ट्रीय के रूप में अपनाया गया। यह चिह्न सम्राट अशोक और महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं की स्मृति को तो ताजा करता ही है, वरन इस चिह्न में हमारी असीम सांस्कृतिक विरासत भी झलकती है। यद्यपि यह विवरण प्राप्त नहीं है कि सम्राट अशोक के काल में इस चिह्न का निर्माण और प्रचलन कब हुआ परंतु यह निश्चित है कि इस चिह्न का संबंध सम्राट अशोक से है और संभव है इस चिह्न का प्रचलन पहले से रहा हो। यह इस चिह्न में निहित गूढ़ अर्थों से ज्ञात होता है, जो ज्ञान की सर्वोच्च पराकाष्ठा को प्रदर्शित करते हैं। सांकेतिक भाषा में विचारों और भावनाओं को चिह्नों या चित्रों के माध्यम से प्रकट करने का इतिहास अति प्राचीन है। द इसी सांकेतिकता का उपयोग सम्राट अशोक के इस चिह्न में भी परिलक्षित होता है। सामान्य दृष्टि से इस चिह्न को देखकर यही कहा जाएगा कि सिंह, शक्ति और गौरव के प्रतीक तथा आधार पर स्थित अश्व, ऊर्जा एवं गति, वृषभ, कठिन परिश्रम एवं धैर्य तथा इन दोनों के मध्य स्थित चक्र धर्म को प्रदर्शित करता है। परंतु इस चिह्न का गूढ़ार्थ ऋग्वेद के अध्ययन से ज्ञात होता है, जिसे संसार में मानव सभ्यता का सबसे प्राचीनतम ग्रंथ माना जाता है। इस ग्रंथ की भाषा भी सांकेतिक है। संक्षेप में यदि कहा जाए तो यह चिह्न सृष्टि की निरंतरता, जीवन और उस पर एक आधारभूत परम मौलिक ऊर्जा के नियंत्रण को प्रदर्शित करता है।

अशोक चिह्न में इसे इस प्रकार से दर्शाया गया है कि इसमें प्रदर्शित चार शेर और सामने से दृष्टिगत शेरों के चार पैर परम मौलिक ऊर्जा के चार अंशों का प्रतिनिधित्व करते हैं। किसी भी दिशा से सामने देखने पर शेरों के तीन मुँह और चार पैर ही दृष्टिगोचर होते हैं। जिससे यह तात्पर्य निकलता है कि इस मौलिक ऊर्जा के चार अंशों में से तीन अंश ऊपर उठकर आकाश में अवस्थित हैं, शेर के माध्यम से इस मौलिक ऊर्जा की अभिव्यक्ति इसे सर्वशक्तिमान प्रतिपादित करती है। अशोक चिह्न में शेरों के आधार पर स्थित पशु और चक्र, इस परम मौलिक ऊर्जा के एक अंश का प्रतीक होकर दृश्य जगत का भाग है। इसमें चिह्नित अश्व एवं गाय चैतन्य जगत का प्रतिनिधित्व करने के साथ, परम मौलिक ऊर्जा तथा प्रकृति को अभिव्यक्त करते हैं। इस ऋचा में परम मौलिक ऊर्जा से चैतन्य जगत की उत्पत्ति की ओर संकेत किया है कि उसी से अश्व तथा ऊपर और नीचे दोनों ओर दाँत वाले पशु उत्पन्न होते हैं। उसी से गायें उत्पन्न होती हैं तथा बकरी और वनस्पति भी उसी से उत्पन्न होते हैं। यहाँ अजावय- अजआवय- से तात्पर्य बकरी और वनस्पति से प्रतीत होता है। वेद में स्थूल रूप से महत्वपूर्ण पाँच पशु माने गए हैं, पुरूष, अश्व, गौ, अज ये प्रसिद्ध नाम हैं तथा अवि उस पशु प्राण का नाम हैं, जो वनस्पतियों को स्वपोषी बनाता है। कहने का तात्पर्य यह है कि अशोक चिह्न में चैतन्य जगत को अश्व एवं गाय के द्वारा अभिव्यक्त किया गया है। इसका दूसरा महत्व एवं संकेत यह है कि वैदिक ज्ञान के अनुसार सृष्टि को प्रकृति-पुरूषात्मक अर्थात मैथुनी सृष्टि कहा गया है। अर्थात् प्रकृति के आधारभूत तत्व परम पुरूष (मौलिक ऊर्जा) से संयोग कर प्रकृति की विभिन्न शक्तियों और घटकों का निर्माण करती है और प्रकृति अस्तित्व में आती हैं। अशोक चिह्न में इस मैथुनी स्वभाव को अभिव्यक्त करने के लिए अश्व और गाय का उपयोग किया गया है। परम मौलिक ऊर्जा के ऊर्जावान गति स्वरूप को अश्व के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया है, तथा चक्र के दूसरी ओर प्रकृति तथा प्रकृति की मातृवत् पोषण शक्ति को गाय के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया है। आधारभूत मौलिक ऊर्जा और प्रकृति का संयुक्त प्रयास यह सृष्टि है। जो भूमि चक्र के रूप में कार्य कर रही है। इस सृष्टि चक्र को चक्र के माध्यम से मध्य में उत्कीर्ण किया गया है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com